PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-02 ● अंक- 28 ● भिलाई, शुक्रवार 14 अगस्त 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

समृद्ध कार्यक्रम से पांच स्टार्टअप को मिली सहायता, 1.81 करोड़ रुपये जारी

नई दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के स्टार्टअप त्वरक कार्यक्रम 'समृद्ध' के माध्यम से आंध्र प्रदेश में पांच स्टार्टअप को सहायता प्रदान की गई है। कार्यक्रम के तहत चयनित त्वरक कल्पतरु उत्कृष्टता केंद्र, एआईसी एसटीपीआई नेक्स्ट, विशाखापत्तनम को 1.81 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है। यह जानकारी इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री श्री जितिन प्रसाद ने 7 अगस्त 2026 को राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में दी। मंत्रालय का स्टार्टअप त्वरक कार्यक्रम 'समृद्ध' उत्पाद नवाचार, विकास और संवर्धन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। इसे स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी, शिक्षा प्रौद्योगिकी, कृषि प्रौद्योगिकी, उपभोक्ता प्रौद्योगिकी, वित्तीय प्रौद्योगिकी, सेवा के रूप में सॉफ्टवेयर और स्थिरता जैसे क्षेत्रों में कार्यरत मौजूदा तथा आगामी त्वरकों के माध्यम से करीब 300 स्टार्टअप को गति देने के लिए तैयार किया गया था।

हजारों करोड़ में बना नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बारिश में फेल

नोएडा। उत्तर प्रदेश के जेवर में नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा को लेकर तमाम दावे किए जा रहे थे, लेकिन तेज बारिश में इसकी पोल खुल गई। पहले चरण के तहत हवाई अड्डे के जिस हिस्से का इस साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्घाटन किया था, वहां पानी ही पानी दिख रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हवाई अड्डे के टर्मिनल से लेकर पार्किंग तक जाने वाले रास्ते में इतना पानी था कि यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हवाई अड्डे पर बनारस के घाट की तर्ज पर एक मॉडल बनाया गया था, जहां बारिश का पानी भरने से असली घाट जैसा नजारा दिख रहा है। टर्मिनल के निकास द्वार पर अंडरपास में भी जलभराव से यात्री परेशान दिखे। यही अंडरपास फोरकोर्ट को पार्किंग की तरफ ले जाता है। यात्री इसी रास्ते से निकलते हैं। अंडरपास तालाब बन गया। जलभराव के कारण यात्रियों को सामान बचाते हुए दूसरे रास्ते खोजने पड़े रिपोर्ट्स के मुताबिक, बारिश के पानी के साथ मिट्टी और मलबा बहकर आया, जो अंडरपास में जमा हो गया, जिससे पानी की निकासी बंद हो गई।

विले पार्ले में रिहायशी इमारत की 11वीं मंजिल पर लगी आग

मुंबई। मुंबई के विले पार्ले इलाके में देर रात को एक आवासीय इमारत की 11वीं मंजिल पर भीषण आग लग गई, जिसकी चपेट में आने से 2 लोगों की मौत हुई है। आग रात 10 बजे बैपटिस्टा रोड पर सेंट जेवियर स्कूल के पास स्थित शांता भवन इमारत में लगी थी। मृतकों में एक 23 वर्षीय महिला अंकिता और ढाई साल का बच्चा अबीर शामिल है। हादसे में करीब 6 लोग घायल हो गए हैं। मुंबई पुलिस ने बताया कि 12 मंजिला इमारत में आग लगने की सूचना के बाद मौके पर पहुंची टीम को आग बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

सांसद का मानसून सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

मानसून सत्र में 12 बिल पास, सिर्फ 19 प्रतिशत काम-किरेन रिजिजू

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली में 13 अगस्त गुरुवार को मानसून सत्र का आखिरी दिन शुरू होने के कुछ देर बाद ही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। मानसून सत्र खत्म होने के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर संसद में अब तक हुई कार्यवाही का पूरा ब्यौरा दिया। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, मानसून सत्र आज खत्म हो गया। हम इसे दो नजरिए से देखते हैं। कामकाज के लिहाज से यह सत्र बहुत सफल रहा। हमने कुल 12 बिल पास किए। हालांकि, बहस और चर्चा के नजरिए से यह उतना सफल नहीं रहा। लोकसभा में, कुल तय समय के मुकाबले हमारी प्रोडक्टिविटी सिर्फ 19 प्रतिशत रही। राज्यसभा में प्रोडक्टिविटी 39 प्रतिशत रही, जहां विपक्षी पार्टियों ने हंगामा किया और कभी-कभी वॉकआउट किया, वहीं एनडीए की ज्यादातर पार्टियों और कुछ विपक्षी पार्टियों के सांसदों ने बहस और चर्चा में हिस्सा लिया। किरेन रिजिजू ने बिल पर चर्चा की बात करते हुए आगे कहा, सिर्फ एक बिल, जो परीक्षाओं में पेपर लीक और गलत तरीकों के मुद्दे से जुड़ा था, उस पर लोकसभा में पूरी चर्चा हुई। इस सत्र के दौरान 'पब्लिक एग्जामिनेशन (गलत तरीकों की रोकथाम) एक्ट' पास किया गया। इस कानून पर लोकसभा और राज्यसभा दोनों में चर्चा हुई। प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि मानसून सत्र में कुल 12 बिल पास हुए, लेकिन हम

चर्चा की क्वालिटी से संतुष्ट नहीं हैं क्योंकि विपक्ष ने ठीक से बहस नहीं होने दी, खासकर लोकसभा में। मैंने पहली बार देखा है कि विपक्ष चर्चा से बच रहा है। विपक्ष सरकार से जवाब मांगता है और सरकार जवाब देने के लिए बाध्य है। फिर भी, संसद के अंदर हमने ऐसा नजारा देखा जहां सरकार खुद चर्चा चाहती थी, जबकि विपक्ष उससे बचने के लिए बहाने बना रहा था। यह संसदीय लोकतंत्र के लिए अच्छा नहीं है। उन्होंने ऐलान किया कि वे न तो चर्चा सुनेंगे और न ही मंत्री का जवाब देंगे। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, एक बात जो मेरे ध्यान में आई है। मैंने कल भी कहा था हो सकता है कि मेरा अनुभव बहुत लंबा न हो, लेकिन जल्द ही मुझे लगभग तीन दशक, यानी 30 साल का अनुभव हो जाएगा। मैं इतना बूढ़ा नहीं हूं, लेकिन मैं कह सकता हूं कि अपने अनुभव में, अपनी जिंदगी में देखे गए संसदीय अनुभव में, यह पहली बार है जब विपक्ष चर्चा से भाग रहा है। संसदीय लोकतंत्र में, विपक्ष चर्चा की मांग करता है और सरकार जवाब देती है। यही तरीका है। क्योंकि लोगों ने हमें जनसेवा, समाज सेवा के लिए चुना है। विपक्ष सवाल पूछता है और सरकार को संसद में जवाब देना होता है। पहली बार हम देख रहे हैं कि सरकार खुद कह रही है कि हम चर्चा चाहते हैं, और विपक्ष बहाने बना रहा है और चर्चा से भाग रहा है।

मंच शुद्धिकरण पर भड़के खरगे, संसद में पूछा-क्या लोकतंत्र में ऐसा अपमान जायज है?

उत्तराखंड के हल्द्वानी में कांग्रेस की 'विजय शंखनाद' रैली के बाद रामलीला मैदान में हुए 'शुद्धिकरण हवन' को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा और हिंदू संगठनों पर निशाना साधा है। आठ अगस्त को आयोजित कांग्रेस की रैली को खरगे ने संबोधित किया था। इसके बाद

श्रीराम सेना धर्मार्थ सेवा न्यास की ओर से रामलीला मैदान में शुद्धि हवन किया गया। राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने हल्द्वानी स्टेज शुद्धिकरण का मुद्दा उठाया। राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, मैं हल्द्वानी में था। जहां मैंने रामलीला मैदान में एक जनसभा को संबोधित किया। वहां लाखों लोग मौजूद थे। उस समय मैंने किसी समुदाय या धर्म का नाम नहीं लिया।

कोर्ट ने शुभेंदु सरकार से जवाब मांगा

बंगाल में मस्जिदों से हट गए 4000 लाउडस्पीकर

नई दिल्ली। बंगाल में मस्जिदों और धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर हटाए जाने के खिलाफ कलकत्ता हाई कोर्ट एक जनहित याचिका दायर की गई है, जिसे हाई कोर्ट ने उस जनहित याचिका को स्वीकार करते हुए सुनवाई की अनुमति दे दी है. याचिका हाई कोर्ट के अधिवक्ता दानिश फारूकी द्वारा दायर की गई है, जिसमें राज्यभर की करीब 4,000 मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटा दिए गए हैं. लाउडस्पीकर हटाने के आरोपों पर कलकत्ता हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से जवाब मांगा है. यह मामला एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान सामने आया. जिसमें राज्य सरकार के लाउडस्पीकर हटाने के उस कथित

मौखिक निर्देश को चुनौती दी गई है. पश्चिम बंगाल में मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाए जाने के मुद्दे पर विवाद बढ़ गया है. कलकत्ता हाईकोर्ट ने गुरुवार को शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार से साफ-साफ पूछा कि क्या पुलिस ने वाकई मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने की कोई कार्रवाई की है या नहीं.

टाटा संस में चेयरमैन की रेस

टाटा स्टील के एमडी नरेंद्रन रेस में सबसे आगे, ले सकते हैं चंद्रशेखरन की जगह....

नई दिल्ली/ एजेंसी

एन चंद्रशेखरन के इस्तीफे के बाद टाटा संस ने नए चेयरमैन की तलाश शुरू कर दी है। 13 अगस्त 2026 को सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट ने नए चेयरमैन के चयन के लिए 5 सदस्यीय सिलेक्शन कमेटी गठित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी। इस रेस में टाटा स्टील के एमडी टीवी नरेंद्रन का नाम सबसे आगे बताया जा रहा है। एन चंद्रशेखरन ने इस्तीफा दिया है, लेकिन वे फरवरी 2027 तक टाटा संस के चेयरमैन बने रहेंगे और अपना मौजूदा कार्यकाल पूरा करेंगे। इससे कंपनी के पास नए उत्तराधिकारी के चयन और जिम्मेदारियों के सुचारु हस्तांतरण के लिए करीब छह महीने का समय है। टाटा संस के नियमों के मुताबिक चेयरमैन चुनने के लिए पांच सदस्यों की कमेटी बनाई जाती है। इसमें: 3 सदस्य: सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट से नामित 1 सदस्य: टाटा संस बोर्ड द्वारा नामित 1 स्वतंत्र सदस्य: बोर्ड द्वारा चुना गया न्यूट्रल मेंबर कमेटी संभावित उम्मीदवारों की समीक्षा और इंटरव्यू के बाद अंतिम नाम की सिफारिश टाटा संस बोर्ड को करेगी। टीवी नरेंद्रन के पक्ष में उनकी करीब चार दशक लंबी टाटा ग्रुप से जुड़ी विरासत, बड़े कारोबार को संभालने का अनुभव और टाटा स्टील के कठिन दौर में प्रदर्शन अहम माना जा रहा है। उन्होंने कर्ज घटाने, कैश फ्लो सुधारने और

घरेलू कारोबार मजबूत करने पर फोकस किया। साथ ही यूके और नीदरलैंड्स में कंपनी की जटिल चुनौतियों से भी निपटा। महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर के एक निर्देश के कारण सर रतन टाटा ट्रस्ट फिलहाल ट्रस्टियों की बैठक नहीं कर पा रहा है। इससे सिलेक्शन कमेटी में ट्रस्ट की ओर से सदस्यों के नामांकन की प्रक्रिया प्रभावित होने की आशंका है। 2022 में टाटा संस के नियमों में बदलाव के बाद टाटा ट्रस्ट्स का चेयरमैन और टाटा संस का चेयरमैन एक ही व्यक्ति नहीं हो सकता। इसलिए नोएल टाटा के अंतरिम चेयरमैन बनने की संभावना नहीं है। टाटा संस टाटा ग्रुप की प्रमुख होल्डिंग कंपनी है, जबकि टाटा ट्रस्ट्स टाटा संस में करीब 66त्न हिस्सेदारी रखते हैं। ट्रस्ट्स मुख्य रूप से परोपकारी और सामाजिक कार्यों के लिए काम करते हैं। ऐसे में नए चेयरमैन का चयन टाटा ग्रुप के भविष्य की रणनीति के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है।

मजाक उड़ाने पर ऑनलाइन पिटीशन दायर

गोमूत्र 'वाले बयान पर फंसी कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के गोमूत्र-एक्सपर्ट का मजाक उड़ाने वाले बयान के खिलाफ ऑनलाइन पिटीशन दायर किया है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के खिलाफ ऑनलाइन पिटीशन में अब तक 14 हजार से ज्यादा लोगों ने सिग्नेचर किए हैं। याचिका में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मामले का संज्ञान लेने की मांग की गई है। साथ ही, प्रियंका गांधी से कमेंट वापस लेने और माफी की मांग की गई है। यह पिटीशन 1 अगस्त को Change.org पर शुरू हुई थी।

दरअसल संसद में लोकसभा की कार्यवाही के दौरान प्रियंका गांधी ने आईआईटी मद्रास के निदेशक वी. कामकोटी के लिए 'गोमूत्र एक्सपर्ट' शब्द का इस्तेमाल किया था। आईआईटी मद्रास के डायरेक्टर वी कामकोटी को गोमूत्र एक्सपर्ट बताने पर विवाद बढ़ गया। याचिका शुरू करने वालों ने इस टिप्पणी को व्यक्तिगत और अपमानजनक बताया है। आयोजकों के मुताबिक, इसे देश के कई राज्यों और शिक्षण संस्थानों से समर्थन मिला है। 38 से ज्यादा देशों में रह रहे भारतीय वैज्ञानिकों ने भी इसका समर्थन किया है। आयोजकों ने इसे वैज्ञानिक और अकादमिक समुदाय की चिंता बताया है। आयोजकों का कहना है कि इस तरह की भाषा से एक प्रतिष्ठित वैज्ञानिक की गरिमा प्रभावित होती है और उस संस्थान की प्रतिष्ठा पर भी असर पड़ता है जिसका वह नेतृत्व करते हैं।

हरियाली अमावस्या पर 31 राज्यों में 50 हजार से अधिक पौधारोपण

नई दिल्ली। हरियाली अमावस्या के अवसर पर देशभर में पर्यावरण संरक्षण और पौधारोपण का बड़ा अभियान चलाया गया। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अगुवाई में 'वृक्ष मित्र परिवार' द्वारा 31 राज्यों में 50 हजार से अधिक पौधे लगाए गए। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' आह्वान से प्रेरित इस अभियान में बड़ी संख्या में लोगों ने भागीदारी की। दिल्ली में मुख्य पौधारोपण कार्यक्रम पीबीजी मैदान, सेंट्रल रेंज, तालकटोरा स्टेडियम के निकट आयोजित किया गया। इसमें मंत्रीगण, सांसद, अधिकारी, किसान, युवा और बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए।

अब खत्म हो विजय माल्या और बैंकों का विवाद!

ईडी से मांगी जब्त संपत्तियों की जानकारी-बॉम्बे हाईकोर्ट

नई दिल्ली/ एजेंसी

भगोड़े कारोबारी विजय माल्या और भारतीय बैंकों के समूह के बीच पिछले एक दशक से चले आ रहे अरबों रुपये के वित्तीय विवाद पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने अत्यंत महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट की विशेष अदालत के आदेश के खिलाफ दायर विजय माल्या की याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस मिलिंद जाधव की एकल पीठ ने कहा कि माल्या और बैंकों के बीच इस व्यावसायिक विवाद को अब अपने तार्किक अंत पर पहुंचकर

समाप्त होना चाहिए। यह मामला 2020 में प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट की विशेष अदालत द्वारा दिए गए उस आदेश से जुड़ा है, जिसमें स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के नेतृत्व वाले बैंक कंसोर्टियम को माल्या की जब्त की गई संपत्तियों का उपयोग कर लोन वसूली करने की अनुमति दी गई थी। माल्या की ओर से कोर्ट में दलील दी गई है कि उनकी संपत्तियों को बैंकों को सौंपने का निर्णय विधिक रूप से अनुचित था। इस पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय से विजय माल्या की संपत्तियों की मौजूदा स्थिति और अब तक जब्त की गई कुल परिसंपत्तियों का पूरा विस्तृत ब्योरा तलब किया है। जस्टिस मिलिंद जाधव की पीठ ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा, यह मामला पिछले 10 सालों से लटका हुआ है। यदि संबंधित पक्ष ऐसे लंबे विवादों से बाहर नहीं निकलते हैं।

छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में ईडी की बड़ी रेड

भंसाली किराया भंडार और नाहटा ग्रुप पर ईडी ने मारा छापा...

राजनांदगांव/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव शहर में प्रवर्तन निदेशालय की एक बड़ी और अचानक हुई कार्रवाई से व्यापारिक और प्रशासनिक गलियारों में हड़कंप मच गया है. केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी की संयुक्त टीमों ने शहर और आसपास स्थित तीन प्रमुख ठिकानों पर एक साथ दबिश दी है. प्राप्त जानकारी के अनुसार, भोपाल और रायपुर ईडी की अलग-अलग संयुक्त टीमों ने तड़के लगभग 6:00 बजे एक साथ तीन अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी की. जांच के दायरे में शहर का चर्चित प्रतिष्ठान 'भंसाली किराया भंडार' और सत्यम विहार स्थित 'नाहटा ग्रुप' के ठिकाने शामिल हैं. टीमों के अचानक पहुंचने से परिसरों में मौजूद लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला. कार्रवाई की संवेदनशीलता को देखते हुए सभी संबंधित ठिकानों के बाहर सुरक्षा बलों को तैनात कर दिया गया है और बाहरी लोगों की आवाजाही पूरी तरह रोक दी गई है. ईडी के अधिकारी संबंधित ठिकानों पर मौजूद वित्तीय रिकॉर्ड, बही-खातों, बैंक खातों के विवरण और अन्य महत्वपूर्ण कागजात को गहनता से खंगाल रहे हैं. डिजिटल उपकरणों और संपत्ति से जुड़े दस्तावेजों की भी जांच की जा रही है. हालांकि, यह कार्रवाई किस विशिष्ट वित्तीय अनियमितता, धन शोधनया प्रकरण से जुड़ी है, इस संबंध में श्वष्ठ के अधिकारियों की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है. माना जा रहा

है कि दस्तावेजों की प्राथमिक जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी. जानकारी के मुताबिक कार्रवाई भंसाली किराए भंडार और सत्यम विहार स्थित नाहटा ग्रुप से जुड़े प्रतिष्ठानों समेत तीन ठिकानों पर चल रही है। ईडी की टीमों ने परिसर में पहुंचते ही दस्तावेजों और कारोबारी गतिविधियों से जुड़े रिकॉर्ड की जांच शुरू कर दी। अचानक हुई कार्रवाई से आसपास के लोगों में भी चर्चा तेज हो गई। जांच टीमों का फोकस दस्तावेजों और वित्तीय लेनदेन से जुड़े रिकॉर्ड पर बताया जा रहा है। कारोबारी खातों, लेनदेन और दूसरे वित्तीय दस्तावेजों को खंगाला जा रहा है। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि एजेंसी को किस खास लेनदेन या मामले से जुड़े दस्तावेजों की तलाश है। आधिकारिक तौर पर कार्रवाई के कारण की पुष्टि नहीं हुई है। कार्रवाई के लिए अलग-अलग स्थानों से टीमें राजनांदगांव पहुंचीं। रायपुर और भोपाल से आई टीमों ने अलग-अलग परिसरों को जांच के दायरे में लिया। इससे संकेत है कि कार्रवाई पहले से तैयार योजना के तहत की गई है। हालांकि जांच किस केस या पुराने प्रकरण से जुड़ी है, इसका खुलासा एजेंसी की ओर से नहीं किया गया है।

बाहर पुलिस का पहरा

ईडी की कार्रवाई के दौरान सभी संबंधित परिसरों के बाहर स्थानीय पुलिस बल भी तैनात किया गया है। जांच पूरी होने तक बाहरी लोगों की आवाजाही पर निगरानी रखी जा रही है। अधिकारी अंदर दस्तावेजों की जांच कर रहे हैं। कार्रवाई लंबी चलने की संभावना के बीच कारोबारी क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

नाहटा कनेक्शन पर नजर

कार्रवाई में नाहटा ग्रुप से जुड़े प्रतिष्ठानों का नाम सामने आने के बाद मामला और चर्चा में आ गया है। एजेंसी किन कारोबारियों या संस्थानों के बीच वित्तीय कड़ियों को तलाश रही है, यह अभी सामने नहीं आया है। ईडी की जांच पूरी होने के बाद ही कार्रवाई के पीछे की असली वजह स्पष्ट होगी। फिलहाल तीनों ठिकानों पर जांच जारी है। ईडी की ओर से न तो किसी गिरफ्तारी की जानकारी दी गई है और न ही कार्रवाई से जुड़े मामले का आधिकारिक विवरण सामने आया है।

CMYK

ब्रह्मकुमारीज द्वारा 10 करोड़ नशामुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान का शुभारंभ

धमतरी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय धमतरी द्वारा नशामुक्त भारत अभियान एवं मिशन स्पंदन-विकसित भारत की ओर एक सशक्त कदम के अंतर्गत 10 करोड़ नशामुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों एवं ब्रह्माकुमारी संस्था से जुड़े भाई.बहनों सहित नशामुक्ति का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रामू रोहरा महापौर नगर पालिक निगम धमतरी, नंदू लोधी जिला संयोजक झुग्गी.झोपड़ी प्रकोष्ठ तथा वरिष्ठ नागरिक भगवत यादव एवं राजयोगिनी सरिता, संचालिका ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय जिला धमतरी उपस्थित रहे।

स्लम क्षेत्रों में भी चलाया जाए नशामुक्ति अभियान-भागवत यादव

वरिष्ठ नागरिक भागवत यादव ने अभियान की सराहना करते हुए कहा कि नशामुक्ति का संदेश समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचना चाहिए। विशेष रूप से स्लम एवं झुग्गी.झोपड़ी क्षेत्रों में जाकर लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता है। उन्होंने इस श्रेष्ठ सामाजिक अभियान के लिए ब्रह्माकुमारी संस्था को शुभकामनाएं दीं। कार्य म का संचालन बी के प्राजक्ता द्वारा किया गया। कार्य म के अंत में उपस्थित अतिथियों को बी के साधना ने नशामुक्ति का सामूहिक प्रतिज्ञा कराया। उपस्थित लोगों ने नशे से स्वयं दूर रहने तथा अपने परिवार, मित्रों एवं समाज को भी नशामुक्त बनाने के लिए संकल्प लिया। आयोजन का उद्देश्य समाज में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाकर एक स्वस्थ, संस्कारवान एवं सशक्त समाज के निर्माण में योगदान देना रहा।

युवा शक्ति ही विकसित भारत की आधारशिला-रामू रोहरा

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर रामू रोहरा ने कहा कि नशामुक्ति अभियान को जन.जन तक पहुंचाने के लिए सरकार द्वारा विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत का जो संकल्प देखा है, उसकी सबसे बड़ी शक्ति देश का युवा है। दुर्भाग्य से आज बड़ी संख्या में युवा नशे की गिरफ्त में आ रहे हैं, जो देश के भविष्य के लिए गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने ब्रह्माकुमारी संस्था पर विश्वास जताते हुए नशामुक्ति जैसे महत्वपूर्ण सामाजिक कार्य की जिम्मेदारी दी है। उन्होंने ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता अभियान की सराहना करते हुए कहा कि जब बच्चे ब्रह्माकुमारी केंद्रों पर आकर ज्ञान एवं राजयोग का अभ्यास करते हैं, तो उनमें सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास और अनुशासन का विकास होता है। उन्होंने कहा जब हम सुधरेंगे, तभी समाज सुधरेगा और जब समाज सुधरेगा, तभी देश सशक्त बनेगा।

नशा परिवार और रिश्तों की खुशियां छीन रहा है-राजयोगिनी सरिता

कार्यक्रम की संचालिका राजयोगिनी सरिता ने कहा कि यह नशामुक्ति अभियान दादी प्रकाशमणि की पावन स्मृति में चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज नशे के कारण अनेक परिवारों की खुशियां प्रभावित हो रही हैं। नशे की लत से व्यक्ति के स्वास्थ्य के साथ.साथ उसके पारिवारिक एवं सामाजिक संबंधों पर भी गंभीर प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि 10 करोड़ नशामुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान का उद्देश्य लोगों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना तथा स्वस्थ, संस्कारवान और सशक्त समाज का निर्माण करना है। ब्रह्माकुमारी संस्था की बहनें गांवों, विद्यालयों, मंदिरों, ब्रह्माकुमारी पाठशालाओं, कॉलोनियों एवं महाविद्यालयों सहित विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर लोगों को नशामुक्ति की प्रतिज्ञा दिला रही हैं। उन्होंने कहा जब हम किसी श्रेष्ठ कर्म की ओर एक कदम बढ़ाते हैं, तो परमात्मा की मदद भी हमें प्राप्त होती है। परमात्मा ने हमें विकारों और नशे से मुक्त होकर श्रेष्ठ जीवन जीने तथा दूसरों को भी प्रेरित करने का कार्य दिया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सामूहिक संकल्प एवं निरंतर प्रयासों से यह अभियान निश्चित रूप से सफल होगा।

महापौर रामू रोहरा ने छत्तीसगढ़ के प्रथम लोकपर्व हरेली की दी बधाई एवं शुभकामनाएं

धमतरी। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति, परंपरा एवं कृषि जीवन से जुड़े प्रथम लोकपर्व हरेली तिहार के अवसर पर नगर पालिक निगम धमतरी के महापौर रामू रोहरा ने जिलेवासियों एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। महापौर रामू रोहरा ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि हरेली छत्तीसगढ़ की माटी, संस्कृति और किसानों की मेहनत से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। यह पर्व प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के साथ ही कृषि एवं ग्रामीण जीवन की समृद्ध परंपराओं को सहेजने का संदेश देता है। हरेली के अवसर पर किसान अपने कृषि औजारों एवं पशुधन की पूजा.अर्चना कर सुख.समृद्धि और अच्छी फसल की कामना करते हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की लोक परंपराएं हमारी सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक एकता का प्रतीक हैं। हरेली तिहार हमें प्रकृति संरक्षण, कृषि संस्कृति के सम्मान और अपनी गौरवशाली परंपराओं को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने की प्रेरणा देता है। महापौर ने प्रदेश के अन्नदाताओं सहित सभी नागरिकों के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना करते हुए कहा कि यह हरेली तिहार सभी के जीवन में नई उमंग, उत्साह, सुख.शांति और समृद्धि लेकर आए। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों से पारंपरिक उत्साह एवं उल्लास के साथ हरेली पर्व मनाने तथा पर्यावरण एवं प्रकृति के संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया।

निगम में लोनिवि अध्यक्ष ने पार्षदों, कर्मचारियों के साथ की सामूहिक हरेली पूजा अर्चना

धमतरी। छत्तीसगढ़ की प्रथम त्यौहार के रूप में आस्था एवं श्रद्धा से जुड़ा हुआ कृषि और किसान को समर्पित लोक पर्व हरेली के अवसर पर नगर निगम के लोक निर्माण विभाग अध्यक्ष विजय मोटवानी ने पुरानी पानी टंकी परिसर में सामूहिक पूजा अर्चना करते हुए सभी को इस दिवस पर शहर के विकास कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए संकल्पबद्ध करते हुए कहा कि आज के यहां अध्यात्म एवं पूजा का अवसर हम सबको सार्वजनिक जीवन में काम करने के लिए एक नई उमंग उत्साह एवं सकारात्मक ऊर्जा का संचार करेगा। वही जल विभाग के अध्यक्ष अखिलेश सोनकर ने कहा कि हमारी प्राचीन सभ्यता संस्कृति मान्यताओं एवं लोक परंपराओं को साक्षी रखकर नगर विकास के कार्य को आगे बढ़ाना आज के दिवस की वास्तविकता होगी। वहीं अंबेडकर वार्ड के पार्षद कुलेश सोनी द्वारा बताया गया कि शहर के विकास को पूरी प्रतिबद्धता के साथ लोक निर्माण विभाग के माध्यम से अमली जामा पहनाने के लिए हरेली का विशेष अवसर संकल्पबद्ध होने के लिए हम सबको प्रेरित करता है। उक्त अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित जनों में पार्षदगण में पिन्टू यादव, गजेंद्र कवर, संजय देवांगन, अज्जू देशलहरे, राकेश चंदवानी, चंद्रभागा साहू, विभा चंद्राकर, नम्रतामाला पवार, सीमा चौबे, तरुण गजेंद्र, मंगलू निर्मलकर, पहलाद मांडवी, पंचराम सिंह, रामनारायण महेश्वरी शामिल रहे।

नवकार महिला मंडल द्वारा जरूरतमंद बच्चों को कपड़े व शिक्षा सामग्री वितरित

धमतरी। नवकार महिला मंडल द्वारा सेवा और सामाजिक सरोकार की दिशा में एक और सराहनीय पहल की गई। मंडल की सदस्य के जन्मदिन एवं तपस्या के उपलक्ष्य में सियादेवी एवं हटकेश्वर स्कूल, शासकीय प्राथमिक शाला, आंगनबाड़ी एवं मिडिल स्कूल के बच्चों को करीब 300 नए कपड़ों का वितरण किया गया। मंडल की सदस्यों ने बताया कि समाज में कई ऐसे जरूरतमंद परिवार हैं, जो आर्थिक एवं सामान्य परिस्थितियों के कारण अपने बच्चों की फीस सहित पढ़ाई से जुड़ी आवश्यकताओं को पूरा करने में असमर्थ होते हैं। ऐसे बच्चों की मदद के उद्देश्य से मंडल द्वारा उनकी फीस, कॉपी.किताब, पानी की बोतल, गमछा सहित अन्य जरूरी सामान उपलब्ध कराया जाता है। इसके अलावा जरूरतमंद कन्याओं के विवाह के अवसर पर विवाह सामग्री एवं आवश्यक घरेलू सामान भी मंडल द्वारा प्रदान किया जाता है। मंडल का उद्देश्य केवल सामग्री वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचकर उनके सुख.दुख में सहभागी बनना और समाज में सेवा की भावना को मजबूत करना है। मंडल की सदस्यों ने कहा कि जन्मदिन और अन्य खुशियों के अवसरों को जरूरतमंदों के साथ साझा करने से खुशी कई गुना बढ़ जाती है। इसी भावना के साथ मंडल की सदस्याएं समय समय पर स्कूलों, आंगनबाड़ियों और जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचकर सेवा कार्य करती हैं। इस अवसर पर नवकार महिला मंडल की सभी सदस्य उपस्थित रहीं और बच्चों के बीच सामग्री का वितरण कर उनके साथ खुशियां साझा कीं। मंडल की इस पहल की स्थानीय स्तर पर सराहना की जा रही है।

छत्तीसगढ़ के प्रथम परब हरेली तिहार पर रंजना साहू ने दी क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं

धमतरी। छत्तीसगढ़ के प्रथम एवं प्रमुख लोकपर्व हरेली तिहार के पावन अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं धमतरी पूर्व विधायक रंजना डीपेंद्र साहू ने धमतरी विधानसभा सहित समस्त क्षेत्रवासियों एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। रंजना साहू ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि हरेली तिहार छत्तीसगढ़ की माटी, संस्कृति, कृषि परंपरा और लोकजीवन से गहराई से जुड़ा पर्व है। यह पर्व हमारे अन्नदाताओं के परिश्रम, प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। हरेली के अवसर पर किसान अपने कृषि औजारों की पूजा.अर्चना कर अच्छी फसल एवं सुख.समृद्धि की कामना करते हैं। हरेली केवल एक पर्व नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की गौरवशाली लोक परंपराओं और ग्रामीण जीवन की जीवंत पहचान है। इस दिन घर.आंगन में खुशियों का वातावरण रहता है और पारंपरिक खेलों एवं रीति.रिवाजों के माध्यम से हमारी संस्कृति की सुंदर झलक देखने को मिलती है। हमें अपनी इन समृद्ध परंपराओं को संजोकर आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का संकल्प लेना चाहिए। साहू ने कहा कि हरेली तिहार प्रदेश के किसानों और मेहनतकश लोगों के जीवन में नई उम्मीद एवं उत्साह लेकर आता है। उन्होंने इस पावन अवसर पर प्रदेश की खुशहाली, किसानों की समृद्धि, अच्छी वर्षा एवं उत्तम फसल की कामना करते हुए कहा कि हरेली तिहार सभी के जीवन में सुख, शांति, स्वास्थ्य और समृद्धि लेकर आए तथा छत्तीसगढ़ की धरती सदैव धन.धान्य से परिपूर्ण रहे। उन्होंने पुनः सभी क्षेत्रवासियों को छत्तीसगढ़ के प्रथम परब हरेली तिहार की हार्दिक बधाई एवं मंगलमय शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

गुणवत्तापूर्ण एवं तेजी के साथ करें राजस्व प्रकरणों का निराकरण : कलेक्टर

बलौदाबाजार। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने मंगलवार को समय सीमा की बैठक में विभागीय कार्यों एवं योजनाओं के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने 3 से 12 माह तक लंबित राजस्व प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण एवं तेजी के साथ निराकरण करने के निर्देश दिये। समीक्षा के दौरान सम्पर्क केन्द्र के माध्यम से ली गई जानकारी के आधार पर अपने निर्धारित मुख्यालय से अनुपस्थित रहने वाले 2 ग्राम पंचायत सचिव,11 पटवारियों एवं 16 ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि शासन की मंशानुसासर कार्यालय में अधिकारी -कर्मचारी समय पर उपलब्ध रहे ताकि लोगों की समस्याओं का समय पर समाधान हो सके।उन्होंने कहा कि लापरवाही बरतने वाले अधिकारी - कर्मचारियों पर पर प्रशासन द्वारा सख्त अनुशासनातमक कार्यवाही की जाएगी।

कलेक्टर शर्मा ने जिले के कई सड़कों के जर्ज़र स्थिति की समीक्षा करते हुए लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि मरम्मत के लिये स्वीकृत सड़कों का निर्माण बरसात के बाद नये सिरे से शुरु करें लेकिन वर्तमान में सुचारु आवागमन के लिये जरुरी पैच रिपेयर का कार्य निरंतर जारी रखा जाए। उन्होंने कहा कि 15 अक्टूबर से सड़क निर्माण कार्य विधिवत प्रारम्भ करने के लिये सभी आवश्यक तैयारी अभी से शुरू कर दें।उन्होंने कई नगरीय निकायों में बारिश में जल भराव को लेकर मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया कि नालियों की उचित सफाई कराएं और जल भराव की स्थिति पर पम्प आदि की व्यवस्था शीघ्र हो जाना चाहिए। कलेक्टर ने 15 अगस्त की तैयारियां की समीक्षा करते हुए तय समय पर कार्यालयों में ध्वजारोहण सहित अन्य कार्यक्रम बेहतर ढंग से सम्पादित कराने के निर्देश दिये। उन्होंने सुघर छत्तीसगढ़ अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 31 हितग्राहीमूलक योजनाओं के पात्र शतप्रतिशत हितग्राहियों को लाभान्वित करने पहले हर विकासखंड में दो -दो ग्राम पंचायत में शिविर लगाकर संतृप्तिकरण अभियान चलाने कहा। इस दौरान ई -ऑफिस,सीएम हेल्पलाइन, लंबित राजस्व प्रकरण, सीपी ग्राम्स,मुख्यमंत्री जनदर्शन, स्वामित्व योजना,एग्रीस्टेक पंजीयन, डिजिटल किसान किताब, सेवा सेतु पोर्टल आदि की समीक्षा की गई। बैठक में सीईओ जिला पंचायत दिव्या अग्रवाल,अपर कलेक्टर दीप्ति गोते, निशा नेताम मड़ावी, सीमा ठाकुर सहित सभी एसडीएम,जनपद सीईओ एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

जनदर्शन में पहुंची दृष्टिबाधित प्रियंका को कलेक्टर ने दिया स्मार्ट फोन

बलौदाबाजार। कलेक्टर कुलदीप शर्मा की संवेदनशीलता और त्वरित निर्णय से आज एक बार फिर जनदर्शन में आए एक जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान तैर गई। साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम के दौरान जब दृष्टबाधित बालिका प्रियंका अपनी समस्या लेकर पहुंची, तो कलेक्टर ने न सिर्फ उसकी पूरी बात आत्मीयता से सुनी, बल्कि उसकी संगीत के प्रति रुचि को देखते हुए तत्काल उसे एक आधुनिक स्मार्ट फोन प्रदान किया। इस दौरान प्रियंका ने अपनी सुरीली आवाज में देशभक्ति गीत भी सुनाई। कलेक्टर ने प्रियंका के.मधुर आवाज की सराहना करते हुए उज्जवल भविष्य और सुरों की दुनिया में जिले का नाम रोशन करने के लिए अपनी ढेरों शुभकामनाएं भी दीं। कसडोल विकासखंड के ग्राम कटगी निवासी प्रियंका बघेल बचपन से ही दृष्टिबाधित हैं। उन्होंने बताया कि बागबाहरा स्थित दृष्टिबाधित बच्चों के विद्यालय से हाई स्कूल तक की पढ़ाई पूरी की है। आगे की पढ़ाई के लिये इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ से संगीत विषय में ग्रेजुएशन करना चाहती है और एडमिशन भी लिया है।आगे की पढ़ाई और ऑनलाइन संगीत कक्षाओं के लिए मोबाइल फोन की आवश्यकता थी। इसी जरूरत को लेकर प्रियंका ने करीब एक सप्ताह पहले कलेक्टर के जनदर्शन में आवेदन देकर मदद की गुहार लगाई थी। सप्ताहभर में कलेक्टर से मिली मदद - जनदर्शन में पहुंची प्रियंका ने कलेक्टर को बताया कि उसे बचपन से ही गाने का और संगीत सीखने का गहरा शौक है। दृष्टिबाधित होने के कारण उसे संगीत की बारीकियों को सीखने, नए गानों को सुनने और उनका अभ्यास करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। आर्थिक तंगी की वजह से उसका परिवार उसे टच-स्क्रीन स्मार्ट फोन दिलाने में असमर्थ था, जो आज के दौर में दृष्टिबाधितों के लिए 'वॉइस असिस्टेंस' के जरिए पढ़ाई और संगीत सीखने का एक बड़ा माध्यम बन चुका है। प्रियंका की इस परेशानी को कलेक्टर ने पूरी आत्मीयता से समझा और मौके पर ही अधिकारियों को फोन की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। निर्देश का त्वरित अनुपालन करते हुए अगले जनदर्शन में प्रियंका को बुलाया गया और कलेक्टर ने उसे नया मोबाइल फोन भेंट किया। मोबाइल हाथ में आते ही प्रियंका के चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दी। कलेक्टर ने प्रियंका की पारिवारिक स्थिति को देखते हुए खाद्य विभाग को 35 किलो चावल वाला राशन कार्ड बनाने के निर्देश भी दिए। इससे प्रियंका के परिवार को खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ मिल सकेगा। स्मार्ट फोन सौंपते हुए कलेक्टर शर्मा ने प्रियंका से कहा की शारीरिक अक्षमता कभी भी प्रतिभा के आड़े नहीं आ सकती। इस फोन का उपयोग अपने संगीत के रियाज और नई विधाएं सीखने के लिए करो। आगे चलकर एक दिन सुरों की दुनिया में बड़ा मुकाम हासिल करोगी और नाम रोशन करोगी।

सीएम हेल्पलाइन से रामखिलावन को सप्ताहभर में मिली मोटर चलित ट्राइसाइकिल

बलौदाबाजार। दिव्यांगता के कारण रोजमर्रा के आवागमन में होने वाली परेशानी अब ग्राम गबौद निवासी 51 वर्षीय रामखिलावन यादव के लिए बीते दिनों की बात हो गई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल पर संचालित सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से जिला प्रशासन द्वारा उनकी समस्या का त्वरित समाधान करते हुए उन्हें मोटर चलित ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराई गई है। अब वे पहले की अपेक्षा अधिक आसानी और आत्मविश्वास के साथ अपने जरूरी कामों के लिए आ-जा सकेंगे। रामखिलावन यादव ने बताया कि उन्हें 3 अगस्त को मोबाइल पर रील देखने के दौरान सीएम हेल्पलाइन के बारे में जानकारी मिली। दिव्यांगता के कारण उन्हें चलने-फिरने और एक स्थान से दूसरे स्थान तक आने-जाने में काफी परेशानी होती थी। उन्होंने अपने बेटे को अपनी समस्या बताई। इसके बाद बेटे ने सीएम हेल्पलाइन नंबर 1076 पर फोन कर उनकी समस्या दर्ज कराई। रामखिलावन ने बताया कि हेल्पलाइन के माध्यम से समस्या दर्ज होने के बाद उनकी परेशानी को गंभीरता से लिया गया और महज एक सप्ताह के भीतर उन्हें मोटर चलित ट्राइसाइकिल मिल गई। उन्होंने कहा, दिव्यांगता के कारण आने-जाने में बहुत परेशानी होती थी, लेकिन समाज कल्याण विभाग द्वारा मोटर चलित ट्राइसाइकिल मिलने से मेरी यह समस्या दूर हो गई है। अब मुझे आने-जाने में किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। समस्या के त्वरित निराकरण से भावुक रामखिलावन ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जरूरत के समय शासन की मदद उनके लिए बड़ी राहत बनकर आई है। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से अपनी समस्या बताने के बाद इतनी जल्दी सहायता मिलेगी, इसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी। रामखिलावन के लिए मोटर चलित ट्राइसाइकिल केवल एक सहायक उपकरण नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और सहज आवागमन की नई राह है। शासन की संवेदनशीलता और त्वरित पहल ने उनके जीवन में सुविधा के साथ आत्मविश्वास भी लौटाया है।

लोकपर्व हरेली पर कृषि औजारों की पूजा कर गुड़ चीला का लगाया भोग

भंवरपुर। छत्तीसगढ़ के प्रथम लोकपर्व माने जाने वाले हरेली तिहार को भंवरपुर क्षेत्र में परंपरागत उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर किसानों ने अपने कृषि उपकरणों की विधिवत पूजा-अर्चना कर अच्छी फसल, कृषि में भरपूर उत्पादकता और गांव की खुशहाली की कामना की। गौरतलब है कि आम तौर पर पहले मौसम अनुकूल रहता था जिससे सावन महीने में पड़ने वाले हरियाली अमावस्या अर्थात हरेली पर्व तक जुताई बुवाई सहित रोपा बियासी का कार्य पूर्ण हो जाता था। जिसके पश्चात कृषि यंत्रों तथा कृषि कार्य में सहायक बैलों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने उन्हें अच्छी तरह धोकर स्नान कराकर उनकी पूजा अर्चना करते हुए प्रसाद स्वरूप गुड़ से बने पौष्टिक चीला का भोग लगाया जाता था। जिससे कृषि कार्य में लगातार उपयोग होने वाले बैलों को स्वास्थ्यवर्धक पौष्टिक आहार मिलता था और उनकी थकावट दूर होती थी। इसके बाद जुताई बुवाई में काम आने वाले कृषि यंत्रों को एक वर्ष के लिए सुरक्षित रख दिया जाता था। समय के साथ पर्यावरण प्रतिकूल होने लगा और कृषि पिछड़ता चला गया। बुजुर्ग बताते हैं कि हरेली पर्व छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति और कृषि परंपराओं से गहराई से जुड़ा हुआ है। हालांकि आधुनिकता के बढ़ते प्रभाव और प्राचीन सभ्यता-संस्कृति के धीरे-धीरे विलुप्त होने के कारण नांगर, बैला और गेड़ी जैसे पारंपरिक प्रतीक अब वनांचल एवं ग्रामीण क्षेत्रों में ही कहीं-कहीं देखने को मिलते हैं। नई पीढ़ी में इस लोकपर्व की मूल भावना और पारंपरिक महत्व को समझने की कमी देखने को मिल रही है। इसके बावजूद भंवरपुर क्षेत्र के किसानों ने अपनी पुरानी परंपराओं को जीवंत रखते हुए हरेली के अवसर पर आधुनिक कृषि यंत्रों, ट्रैक्टर सहित नांगर जैसे प्राचीन कृषि उपकरणों की पूजा-अर्चना की। पूजा के बाद भगवान और कृषि उपकरणों को गुड़-चीला का भोग अर्पित किया गया। वहीं गांवों में हरेली के अवसर पर बैगा द्वारा ठाकुर देव सहित अन्य ग्राम देवी-देवताओं की विधिवत पूजा-अर्चना कराई गई। ग्रामीणों ने गांव में सुख-समृद्धि, खुशहाली, कृषि में अच्छी पैदावार तथा मौसमी बीमारियों से ग्रामीणों की रक्षा के लिए प्रार्थना की। माना जाता है कि हरेली पर्व केवल कृषि उपकरणों की पूजा का अवसर नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की लोक परंपरा, प्रकृति, कृषि और ग्रामीण जीवन के बीच गहरे संबंध का प्रतीक है। आधुनिक कृषि व्यवस्था के बीच भी किसानों द्वारा पारंपरिक कृषि औजारों की पूजा किया जाना इस बात का संदेश देता है कि विकास के साथ अपनी जड़ों और सांस्कृतिक विरासत को बचाए रखना भी आवश्यक है।

छात्रसंघ युवाओं में नेतृत्व और जिम्मेदारी की पहली पाठशाला-ओमेश यादव

धमतरी। सर्वोदय उच्चतर माध्यमिक शाला में आयोजित छात्रसंघ शपथ ग्रहण समारोह एवं हरेली तिहार कार्यक्रम गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में भारतीय जनता युवा मोर्चा जिला धमतरी के जिला महामंत्री ओमेश यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने नवनिर्वाचित छात्रसंघ पदाधिकारियों को पद एवं दायित्व की शपथ दिलाई। इस अवसर पर ओमेश यादव ने कहा कि छात्रसंघ विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, सेवा भाव और सामाजिक जिम्मेदारी विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। छात्र जीवन से ही नेतृत्व की भावना विकसित करने वाले युवा भविष्य में समाज और राष्ट्र के

निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों से कहा कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करें तथा विद्यार्थियों की समस्याओं को समझकर उनके समाधान के लिए सकारात्मक प्रयास करें। उन्होंने कहा कि आज के विद्यार्थी ही कल के जिम्मेदार नागरिक और राष्ट्र के नेतृत्वकर्ता हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में युवाओं की भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है। छात्रसंघ के माध्यम से विद्यार्थियों को नेतृत्व, संवाद और जिम्मेदारी का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होता है, जो उनके व्यक्तित्व निर्माण में सहायक बनेगा। हरेली तिहार की शुभकामनाएं देते हुए यादव ने कहा कि हरेली छत्तीसगढ़ की माटी, कृषि, लोकजीवन और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। हमें अपनी संस्कृति और परंपराओं को आगे बढ़ाने के साथ ही नई पीढ़ी को भी इससे जोड़ना चाहिए।

गंगरेल बांध से पानी छोड़ने निगम लोक निर्माण विभाग अध्यक्ष ने लिखा पत्र

धमतरी। लगभग पिछले 15 दिनों से समुचित रूप से बारिश के न होने के कारण किसानों के खेतों में सूखा की स्थिति निर्मित हो गई है, विशेष कर जिस क्षेत्र में भूमिगत जल स्त्रोत नहीं है वहां की फसलों के लिए अब गंगरेल बांध से खेतों की प्यास बुझाने हेतु किसानों द्वारा मांग की जा रही है जिससे अवगत कराने पर नगर निगम के लोक निर्माण विभाग अध्यक्ष विजय मोटवानी द्वारा जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारियों को पत्र लिखते हुए कहा गया है कि वर्तमान समय में गंगरेल बांध में पानी की मात्रा पर्याप्त है। इसलिए समय रहते फसल की उपयोगिता के हिसाब से नहरों के माध्यम से अति शीघ्र खेतों तक पानी पहुंचाया जाए। इससे ही आने वाले समय में अच्छी फसल किसानों को समृद्धि की ओर अग्रसर करेगी और राज्य की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी। मोटवानी ने कहा है कि मुख्य नहर से माइनर नहर क्रमांक 3 में पड़ने वाले गांव के खेतों तक पानी पहुंचना अति आवश्यक हो गया है।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड के युवाओं पर लाठीचार्ज और कांग्रेस की चुप्पी उसके दोहरे चरित्र का प्रमाण - केदार कश्यप

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप ने झारखंड में प्रदर्शन कर रहे युवाओं पर कथित लाठीचार्ज को लेकर कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि झारखंड में हजारों युवा अपने हक और अधिकार की लड़ाई लड़ रहे हैं, लेकिन कांग्रेस समर्थित झारखंड मुक्ति मोर्चा की सरकार में उन युवाओं पर बेरहमी से लाठियां चलाई गईं और पूरे क्षेत्र को बॉर्डर की तरह तब्दील कर दिया गया। मंत्री कश्यप ने कहा कि जब दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन होता है, तब कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और वामपंथी दल न्याय एवं अधिकारों की बड़ी-बड़ी बातें करते हैं। लेकिन जब झारखंड के युवा अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर उतरते हैं और उन पर लाठियां चलती हैं, तब इन्हीं दलों के नेताओं के मुंह से एक शब्द तक नहीं निकलता। उन्होंने सवाल किया कि क्या झारखंड में अपने अधिकारों के लिए प्रदर्शन करने वाले युवा कांग्रेस की नजर में सौतेले हैं? जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने वालों के लिए आवाज उठाने वाली कांग्रेस को झारखंड के युवाओं का दर्द क्यों दिखाई नहीं देता? मंत्री कश्यप ने कहा कि कांग्रेस पार्टी झारखंड की सत्ता में झारखंड मुक्ति मोर्चा की सहयोगी है, लेकिन युवाओं पर हुई कार्रवाई के बाद वह मुंह में लड्डू डालकर बैठी हुई है। यह कांग्रेस की चयनात्मक राजनीति और दोहरे मापदंड को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि देश की जनता कांग्रेस की इस 'ड्यूल पॉलिसी' को देख और समझ रही है। एक राज्य में प्रदर्शनकारियों के अधिकारों की बात करना और अपनी समर्थित सरकार वाले राज्य में युवाओं पर कार्रवाई होने पर मौन साध लेना कांग्रेस के वास्तविक राजनीतिक चरित्र को सामने लाता है। केदार कश्यप ने कहा, कांग्रेस का यह दोहरा मापदंड अब देश की जनता से छिपा नहीं है। उसके वास्तविक चेहरे को लोग पहचान चुके हैं और समझ चुके हैं कि कांग्रेस की न्याय की बातें केवल राजनीतिक सुविधा के अनुसार बदलती रहती हैं।

उन्नत मक्का बीज और कृषि सहायता से संवरी कृषक शुभम दुबे की राह

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा किसानों की आय बढ़ाने, खेती की लागत कम करने और मोटे अनाजों के उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लगातार प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। कृषि विभाग द्वारा चलाए जा रहे राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन के तहत राज्य के कृषकों को उन्नत कृषि तकनीक, गुणवत्तापूर्ण बीज और आवश्यक कृषि आदान (उर्वरक व दवाएं) उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिसके सकारात्मक परिणाम अब धरातल पर नजर आने लगे हैं। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन के तहत किसानों को पारंपरिक फसलों के साथ-साथ अधिक उत्पादन देने वाली फसलों की ओर प्रेरित किया जा रहा है, जिससे प्रदेश में कृषि उत्पादन और किसानों की खुशहाली को नई गति मिल रही है। सरगुजा जिले के अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम कृष्णापुर निवासी कृषक शुभम दुबे की जिंदगी में नया उत्साह देखने को मिल रहा है। शुभम दुबे ने अपनी लगभग दो एकड़ भूमि पर मक्का की खेती की है। कृषि विभाग की ओर से उन्हें उन्नत किस्म के मक्का बीज, खाद और खरपतवार नियंत्रण के लिए आवश्यक दवाएं प्रदान की गई थीं।कृषक शुभम दुबे ने बताया कि पहले वे अपने खेत में पारंपरिक रूप से सब्जियों की खेती किया करते थे, लेकिन उससे अपेक्षित उत्पादन और लाभ नहीं मिल पाता था। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एवं पोषण मिशन से जुड़कर जब उन्होंने उन्नत किस्म के बीज और पोषण प्रबंधन के साथ मक्का लगाया, तो पौधों का विकास काफी तेजी से हुआ। खरपतवार नियंत्रण के लिए सुझाई गई दवाओं के इस्तेमाल से फसल को पनपने का पूरा अवसर मिला। शुभम दुबे का कहना है कि फसल समय पर और बेहतर गुणवत्ता के साथ तैयार हो रही है, जिससे उन्हें बाजार में सही समय पर उपज बेचकर अच्छा दाम मिलने की पूरी उम्मीद है।

बुजुर्ग का मोबाइल छीनकर भाग रहे युवक को ट्रैफिक आरक्षक ने दौड़ाकर पकड़ा

रायपुर। राजधानी रायपुर में यातायात पुलिस के एक आरक्षक की सतर्कता और तत्परता से मोबाइल लूट की वारदात कुछ ही देर में सुलझ गई। महोबा बाजार चौक पर ड्यूटी कर रहे यातायात थाना टाटीबंध के आरक्षक क्रमांक 1293 दुजराम कश्यप ने बुजुर्ग का मोबाइल छीनकर भाग रहे आरोपी को दौड़ाकर पकड़ लिया। आरोपी को बाद में आमानाका थाना पुलिस के हवाले कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक, आरक्षक दुजराम कश्यप महोबा बाजार चौक पर यातायात व्यवस्था संभाल रहे थे। इसी दौरान उन्होंने सरस्वती नगर थाना की ओर से एक व्यक्ति को हाथ में मोबाइल लेकर तेज गति से भागते देखा। उसके पीछे एक बुजुर्ग भी दौड़ रहे थे और मदद के लिए इशारा कर रहे थे। मामला समझते ही आरक्षक ने तत्काल आरोपी का पीछा किया और कुछ दूरी पर उसे पकड़ लिया। पीछे से पहुंचे बुजुर्ग ने बताया कि आरोपी ने उनका मोबाइल छीना था और उसे लेकर फरार हो रहा था। आरक्षक ने बुजुर्ग से मोबाइल नंबर की जानकारी लेकर उस नंबर पर कॉल किया। कॉल करने पर बरामद मोबाइल की पहचान हो गई। मोबाइल वापस मिलने पर बुजुर्ग ने राहत की सांस ली। पूछताछ में आरोपी ने मोबाइल छीनकर भागने की बात भी स्वीकार की। घटना की सूचना आरक्षक ने तत्काल आमानाका थाना पेट्रोलिंग टीम को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में लेकर थाने ले गई। उसके खिलाफ आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। आरक्षक दुजराम कश्यप की त्वरित कार्रवाई के चलते आरोपी मोबाइल लेकर फरार नहीं हो सका। पुलिसकर्मी की सतर्कता से बुजुर्ग को उनका मोबाइल सुरक्षित वापस मिल गया।

छत्तीसगढ़ में अगले 3 साफ रहेगा मौसम, फिर बढ़ेंगी मानसूनी एक्टिविटी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बीते कई दिनों से हो रही बारिश के बाद मानसून की एक्टिविटी फिलहाल थोड़ी कमजोर रहने वाली हैं। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 3 दिनों में बारिश कम होने की संभावना है। हालांकि इस दौरान कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश और गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। छत्तीसगढ़ में बीते कई दिनों से हो रही बारिश के बाद मानसून की एक्टिविटी फिलहाल थोड़ी कमजोर रहने वाली हैं। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 3 दिनों में बारिश कम होने की संभावना है। हालांकि इस दौरान कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश और गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 3 दिनों तक प्रदेश के कुछ जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। इस दौरान बारिश की तेजी में कमी देखने को मिल सकती है। कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ बौछारें भी पड़ेंगी, इसके बाद प्रदेश में मानसूनी गतिविधियों में फिर बढ़ोतरी होने के आसार हैं।

ड्रोन दीदी से किया संवाद

किसान को हार्वेस्टर सब्सिडी का 16 लाख रुपए का चेक सौंपा

- पौधरोपण से दिया प्रकृति संरक्षण का संदेश : मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने लगाया पारिजात का पौधा

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ की मिट्टी की सोंधी महक, खेत-खलिहानों की परंपराएं, लोकगीतों की स्वर लहरियां, मांदर की थाप, गेड़ी का उल्लास और पारंपरिक व्यंजनों की खुशबू - प्रदेश के प्रथम लोक पर्व हरेली तिहार पर आज नवा रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति और ग्रामीण जीवन की जीवंत झांकी में बदल गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने विधि-विधान से भगवान शिव, गौमाता और कृषि औजारों की पूजा-अर्चना कर प्रदेश में अच्छी वर्षा, भरपूर फसल, किसानों की समृद्धि और सभी परिवारों की सुख-खुशहाली की कामना की। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह सहित मंत्रीगण, जनप्रतिनिधि, विभिन्न निगम-मंडल एवं आयोगों के पदाधिकारी, किसान और बड़ी संख्या में नागरिक इस उत्सव के साक्षी बने। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों, विशेषकर किसान भाई-बहनों को हरेली तिहार की गाड़ा-गाड़ा बधाई देते हुए कहा कि हरेली छत्तीसगढ़ की कृषि संस्कृति, प्रकृति और ग्रामीण जीवन के बीच आत्मीय रिश्ते का उत्सव है। यह पर्व हमें अपनी धरती, पशुधन, कृषि उपकरणों और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर देता है। छत्तीसगढ़ धान का कटोरा है और प्रदेश की बड़ी आबादी की आजीविका खेती-किसानी से जुड़ी है। किसान की समृद्धि ही गांव और प्रदेश की खुशहाली का मजबूत आधार है। हरेली के उत्सव में मुख्यमंत्री श्री साय पूरी तरह छत्तीसगढ़ी रंग में रंगे नजर आए। पारंपरिक वेशभूषा धारण कर वे विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के साथ महिला ऑटो चालक श्रीमती संगीता यादव के पिंक ऑटो में मुख्यमंत्री निवास परिसर से कार्यक्रम स्थल पहुंचे। इस अनूठे अंदाज ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों का ध्यान आकर्षित किया और उत्सव के माहौल में आत्मीयता का रंग घोल दिया। कार्यक्रम की शुरुआत गौरी-गणेश एवं नवग्रह पूजन के साथ हुई। मुख्यमंत्री ने मंत्रोच्चार के बीच शिवलिंग का अभिषेक किया और नांगर, रापा, कुदाल, फावड़ा सहित खेती-किसानी में उपयोग आने वाले कृषि औजारों की विधि-विधान से पूजा की। इसके बाद उन्होंने छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा को नमन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हरेली के समय तक खेती के अनेक प्रमुख कार्य पूरे हो चुके होते हैं और किसान प्रकृति एवं अपने कृषि साधनों की पूजा कर अच्छे कृषि वर्ष की कामना करते हैं। यह परंपरा हमारे पुरखों की प्रकृति के प्रति गहरी समझ और सम्मान को दर्शाती है। मुख्यमंत्री श्री साय ने मुख्यमंत्री निवास परिसर में निर्मित गौशाला पहुंचकर गौमाता की आरती और पूजा-अर्चना की। उन्होंने गाय और बछड़े को हरा चारा, चना-गुड़ तथा पारंपरिक 'लोंदी' खिलाई। हरेली पर पशुधन को लोंदी खिलाने की लोक परंपरा पशुओं के बेहतर स्वास्थ्य और रोगों से बचाव की कामना से जुड़ी है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के ग्रामीण जीवन में पशुधन परिवार और कृषि व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा है। हमारी लोक संस्कृति हमें पशुओं के प्रति संवेदनशीलता, सम्मान और संरक्षण की सीख देती है। आधुनिकता के साथ अपनी ऐसी उपयोगी और प्रकृति-सम्मत परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाना भी हमारी जिम्मेदारी है।

महतारी वंदन योजना में 40 वर्ष से अधिक उम्र की अविवाहित महिलाओं को भी मिलेगा लाभ

- विभाग ने शुरू किया विचार, फिर शुरू होगा रजिस्ट्रेशन

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ की महिलाओं के लिए महतारी वंदन योजना से जुड़ा एक बड़ा अपडेट सामने आया है। राज्य सरकार योजना का दायरा बढ़ाने की तैयारी में है। योजना से जुड़ी जानकारी के मुताबिक, 40 वर्ष से अधिक उम्र की अविवाहित महिलाओं को भी इसके लाभ के दायरे में शामिल किए जाने की तैयारी है। महतारी वंदन योजना में 40 वर्ष से अधिक उम्र की अविवाहित महिलाओं को योजना से जोड़ने की तैयारी से प्रदेश में लाभार्थियों की संख्या बढ़ सकती है। महतारी वंदन योजना में नई श्रेणी को शामिल करने का उद्देश्य 40 वर्ष से अधिक उम्र की अविवाहित महिलाओं को आर्थिक सहायता के दायरे में लाना है। योजना के विस्तार के बाद इस वर्ग की पात्र महिलाओं को भी नियमित आर्थिक सहयोग मिल सकेगा। हर महीने मिलने वाली एक हजार रुपये की सहायता राशि रोजमर्रा की जरूरतों और आवश्यक खर्चों में मददगार हो सकती है। साथ ही, इससे महिलाओं को आर्थिक रूप से अधिक आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी सहायता मिलने की उम्मीद है। 40 वर्ष से अधिक उम्र की अविवाहित महिलाओं को योजना में शामिल करने को लेकर प्रशासनिक स्तर पर प्रक्रिया आगे बढ़ाने पर मंथन किया जा रहा है।

नई श्रेणी को योजना से जोड़ने के लिए पात्रता के नियम और आवेदन से जुड़ी प्रक्रिया को लेकर जरूरी तैयारियां की जा रही हैं। नई श्रेणी की महिलाओं के लिए पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और अन्य आवश्यक औपचारिकताओं की जानकारी दी जाएगी। इस बदलाव को लेकर सबसे अहम जानकारी यह है कि 40 वर्ष से अधिक उम्र की अविवाहित महिलाओं के लिए रजिस्ट्रेशन योजना का पोर्टल खुलने के बाद शुरू होगा। पोर्टल पर पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध होने के बाद पात्र महिलाएं आवेदन कर सकेंगी। हालांकि, फिलहाल रजिस्ट्रेशन शुरू होने की सटीक तारीख सामने नहीं आई है। महतारी वंदन योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर महीने एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। यह राशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में डीबीटी के जरिए पहुंचाई जाती है। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने बताया कि महतारी वंदन योजना में 40 वर्ष से अधिक उम्र की अविवाहित महिलाओं को शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि योजना का पोर्टल खुलने के बाद ऐसी महिलाएं पंजीकरण कर सकेंगी। मंत्री के इस बयान के बाद उन महिलाओं के लिए योजना का लाभ लेने की उम्मीद बढ़ी है, जो अभी तक इसके दायरे में नहीं थीं।

हरेली पर बालोद में परंपरा और आधुनिकता का अनूठा संगम

- ड्रोन दीदियों ने आधुनिक कृषि यंत्र ड्रोन की पूजा कर चढ़ाया गुड़-चीला और नारियल का भोग
- हरेली पर लिया संकल्प, बालोद के हर खेत तक पहुंचे ड्रोन, किसानों की लागत घटे और खेती बने अधिक आसान

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक-संस्कृति और आधुनिक कृषि तकनीक का अनूठा संगम इस बार हरेली तिहार पर बालोद जिले में देखने को मिला। सावन अमावस्या के पावन अवसर पर जहां किसानों ने अपनी परंपरा के अनुरूप हल, नांगर, कुदाली और फावड़े जैसे कृषि औजारों की पूजा कर अच्छी फसल और समृद्धि की कामना की, वहीं जिले की ड्रोन दीदियों ने आधुनिक कृषि यंत्र ड्रोन का धूप-दीप से पूजन कर उस पर पारंपरिक गुड़-चीला और नारियल का भोग अर्पित किया। इस अनूठे आयोजन ने हरेली की सदियों पुरानी परंपरा को आधुनिक कृषि तकनीक से जोड़ते हुए बदलते छत्तीसगढ़ की नई तस्वीर प्रस्तुत की। शासन की ड्रोन दीदी योजना के तहत प्रशिक्षित बालोद जिले की श्रीमती भुनेश्वरी साहू, श्रीमती चित्ररेखा साहू और सुश्री रूचि साहू ने हरेली के अवसर पर ड्रोन की पूजा कर कृषि में तकनीकी बदलाव को नई पहचान दी। ड्रोन दीदी भुनेश्वरी साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति कृषि औजारों के सम्मान की परंपरा सिखाती है। आज के दौर में ड्रोन भी किसानों का आधुनिक साथी बन चुका है, जो फसलों में नैनो उर्वरक और कृषि दवाइयों का छिड़काव कम समय में कर सकता है। ड्रोन दीदी चित्ररेखा साहू ने बताया कि ड्रोन तकनीक ने कृषि कार्यों को अधिक आसान और प्रभावी बनाया है। हरेली के अवसर पर उन्होंने जिले के अधिक से अधिक किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक से जोड़ने का संकल्प लिया। वहीं सुश्री रूचि साहू ने कहा कि उनका सपना है कि बालोद के हर खेत तक ड्रोन पहुंचे। इससे किसानों की मेहनत और लागत कम हो, कृषि कार्य समय पर पूरे हों और किसानों का जीवन अधिक सुगम बने। ड्रोन दीदियों ने अपनी सफलता और आत्मनिर्भरता का श्रेय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच तथा मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रयासों को दिया। उन्होंने कहा कि ड्रोन दीदी योजना ने महिलाओं को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के साथ उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया है।

अब राशन के लिए घंटों इंतजार नहीं अब कुछ मिनटों में मिल रहा राशन..

- तकनीक और पारदर्शिता की नई तस्वीर : अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम

रायपुर/ संवाददाता

कभी राशन लेने के लिए लंबी कतार में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता था, लेकिन अब सरकंडा में शुरू हुई अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम की नई व्यवस्था में राशन लेने की प्रक्रिया कुछ ही मिनटों में पूरी हो रही है। तकनीक से जुड़ी इस पहल की शुरुआत के साथ ही हितग्राहियों को समय की बचत, सटीक तौल और पारदर्शी वितरण का अनुभव मिलने लगा है। चिंगराजपारा निवासी हितग्राही

प्रीति मानिकपुरी के लिए राशन लेने का अनुभव अब पहले से अलग है। वह बताती हैं कि अब लंबी लाइन में खड़े होकर इंतजार नहीं करना पड़ता। मशीन के माध्यम से राशन मिलने से प्रक्रिया आसान हो गई है और तौल को लेकर भी किसी तरह की चिंता नहीं रहती। इसी तरह हितग्राही दुर्गेश कुमार यादव बताते हैं कि ग्रेन एटीएम में बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण के बाद स्क्रीन पर उनकी पात्रता के अनुसार मिलने वाले राशन की मात्रा स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। पुष्टि करने के बाद डिस्पेंसर के नीचे थैला रखते ही निर्धारित मात्रा में चावल सीधे थैले में भर जाता है। उनके लिए यह अनुभव न केवल आसान है, बल्कि राशन की मात्रा को लेकर भरोसा भी बढ़ाता है। ग्रेन एटीएम की संचालिका रिंकू सिंह ठाकुर बताती हैं कि नई व्यवस्था से राशन वितरण का काम अधिक व्यवस्थित हो रहा है। मशीन आधारित प्रक्रिया के कारण भीड़ को नियंत्रित करने, समय बचाने और निर्धारित मात्रा में राशन उपलब्ध कराने में सुविधा मिल रही है। अन्नपूर्ति ग्रेन एटीएम सार्वजनिक वितरण प्रणाली में तकनीक के उपयोग की दिशा में एक नई पहल है।

देवार डेरा सहित संदिग्ध स्थानों पर तेलीबांधा पुलिस की विशेष चेकिंग

रायपुर। थाना तेलीबांधा पुलिस ने असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने और क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से विशेष चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान देवार डेरा, संदिग्ध स्थानों एवं अड्डेबाजों की जांच की गई। पुलिस के अनुसार, 10 अगस्त 2026 को चलाए गए विशेष अभियान के दौरान संदिग्ध गतिविधियों में पाए गए 5 अनावेदकों के विरुद्ध धारा 170/126, 135 बीएनएसएस के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई। कार्रवाई के बाद सभी 5 अनावेदकों को आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के लिए विशेष कार्यपालिक मजिस्ट्रेट, सहायक पुलिस आयुक्त सिविल लाइन के कार्यालय रवाना किया गया।

लोक निर्माण विभाग के सचिव ने सड़क एवं भवन निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

गुणवत्ता और समय-सीमा पर जोर,ठेकेदारों को नियमित भुगतान के निर्देश

- मुख्य अभियंता और अधीक्षण अभियंता को हर महीने कार्यों की समीक्षा के निर्देश, कहा साइट देखने के बाद ही तैयार करें निर्माण कार्यों के प्राक्कलन

रायपुर/ संवाददाता

लोक निर्माण विभाग के सचिव श्री मुकेश कुमार बंसल ने आज रायपुर परिक्षेत्र के सभी संभागों में निर्माणाधीन सड़कों और भवनों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने नवा रायपुर में पीडब्लूडी मुख्यालय 'निर्माण भवन' में आयोजित बैठक में अधिकारियों से स्वीकृत और निर्माणाधीन कार्यों के साथ ही प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त कार्यों की निविदा प्रक्रिया की प्रगति की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने वर्ष 2024-25 तक के सभी प्रगतिरत कार्यों को 31 मार्च 2027 तक पूर्ण करने के दिए निर्देश दिए। श्री बंसल ने अधिकारियों को कार्यों की गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने को कहा। उन्होंने ठेकेदारों द्वारा किए गए कार्यों का मूल्यांकन कर हर महीने भुगतान के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य अभियंता और अधीक्षण अभियंता को हर महीने कार्यपालन अभियंताओं की बैठक लेकर कार्यों की समीक्षा करने को कहा। लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता श्री वी.के. भतपहरी, मुख्य अभियंता श्री पी.एम. कश्यप और श्री टी.आर. कुंजाम भी बैठक में मौजूद थे। लोक निर्माण विभाग के सचिव ने फील्ड का दौरा कर और साइट देखने के बाद ही निर्माण कार्यों के प्राक्कलन तैयार करने के निर्देश विभागीय अभियंताओं को दिए। उन्होंने ठेकेदारों से नियमित संपर्क और समन्वय बनाकर निर्धारित टाइम-लाइन के अनुसार कार्यों की प्रगति सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने टाइम-लाइन के मुताबिक समय पर काम

नहीं करने वाले, लापरवाही बरतने वाले और गुणवत्ताहीन कार्य करने वाले ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने तथा आगामी निविदाओं के लिए अपात्र करने के निर्देश दिए। विभागीय सचिव ने निर्माण कार्यों में तेजी लाने और उन्हें समय-सीमा में पूरा करने सुव्यवस्थित तथा योजनाबद्ध ढंग से काम करने को कहा। उन्होंने रायपुर और नवा रायपुर में कार्यों की सहूलियत, बेहतर मॉनिटरिंग और प्रशासनिक कसावट के लिए रायपुर मंडल क्रमांक-1 के चारों संभागों को पुनर्गठित कर कार्यक्षेत्रों का नए सिरे से विभाजन करने को कहा। उन्होंने राज्य शासन के निर्देशों के अनुरूप एक ही टेबल पर तीन वर्षों से अधिक समय से काम कर रहे अधिकारियों-कर्मचारियों की सूची तैयार कर 30 सितम्बर तक नई पदस्थापना के निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में लोक निर्माण विभाग के रायपुर परिक्षेत्र के सभी संभागों में अनुकंपा नियुक्ति तथा न्यायालयीन प्रकरणों की भी समीक्षा की। श्री बंसल ने पीडब्लूडी-आईएमएस में विभाग के सभी कार्यों की एंट्री 31 अगस्त तक करने के निर्देश दिए। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2025-26 तथा 2026-27 के प्राथमिकता वाले नए कार्यों के प्राक्कलन भी 31 अगस्त तक जमा करने को कहा। उन्होंने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, सेवा सेतु तथा लोक सेवा गारंटी के प्रकरणों को भी समय-सीमा में सक्रियता से निराकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने जनसुविधा और नागरिकों की आवश्यकता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अगले पांच वर्षों में सड़कों की जरूरत का आकलन कर प्रस्ताव तैयार करने को कहा। लोक निर्माण विभाग के सचिव ने निर्माण कार्यों के लिए निविदा प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद तत्काल अनुबंध कर कार्यादेश जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने निविदा में कार्यपूर्णता के लिए उपयुक्त समय-सीमा के निर्धारण के लिए एसओपी तैयार करने के निर्देश प्रमुख अभियंता को दिए। उन्होंने वर्षा ऋतु, पोल शिफ्टिंग, पाइपलाइन शिफ्टिंग तथा अन्य यूटिलिटीज की शिफ्टिंग की जरूरत को ध्यान में रखते हुए कार्यपूर्णता के लिए समयावधि निर्धारित करने को कहा। उन्होंने निर्माण कार्यों के पूर्ण होने के बाद तीन महीनों के भीतर फाइनल बिल तैयार करने तथा ठेकेदारों को भुगतान के लिए भी एसओपी बनाने के निर्देश प्रमुख अभियंता को दिए।

संपादकीय

स्कूलों में बच्चों के भोजन से मनमानी, सामने आने पर ही क्यों जागता है निगरानी तंत्र?

सीतापुर के महमूदाबाद में एक प्राथमिक विद्यालय में बच्चों को पनिहल सब्जी और रोटी फेंककर देने के आरोप लगे हैं। इसी तरह बलिया के पलिया गांव स्थित विद्यालय में मध्याह्न भोजन के दौरान रोटी और सब्जी थाली में परोसने के बजाय बच्चों के हाथ में दिए जाने का मामला सामने आया है। सरकार ने स्कूलों में मध्याह्न भोजन की व्यवस्था इसलिए की थी कि ज्यादा से ज्यादा बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ा जाए और उनकी सेहत का भी खयाल रखा जाए। मगर देखरेख और निगरानी के अभाव में कई विद्यालयों में यह व्यवस्था मात्र औपचारिकता बनकर रह गई है। कहीं भोजन की गुणवत्ता, तो कहीं उसे परोसने के तरीके पर सवाल उठते रहे हैं। हाल ही में उत्तर प्रदेश में ऐसे दो मामले सामने आए हैं।सीतापुर के महमूदाबाद में एक प्राथमिक विद्यालय में बच्चों को पनिहल सब्जी और रोटी फेंककर देने के आरोप लगे हैं। इसी तरह बलिया के पलिया गांव स्थित विद्यालय में मध्याह्न भोजन के दौरान रोटी और सब्जी थाली में परोसने के बजाय बच्चों के हाथ में दिए जाने का मामला सामने आया है। इन दोनों घटनाओं में संबंधित प्रधानाध्यापिकाओं को निलंबित कर दिया गया है।मगर सवाल है कि विद्यालयों में इस तरह की अनियमितताओं पर रोक लगाने के लिए विभागीय निगरानी तंत्र निष्क्रिय और लापरवाह क्यों बना रहता है? अगर बच्चों को सम्मानजनक तरीके से अच्छा भोजन नहीं मिल पा रहा है, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है?देश भर के विद्यालयों में मध्याह्न भोजन योजना के तहत घटिया खाद्यान्न का इस्तेमाल, तय नियमावली का पालन न करने, साफ-सफाई की कमी और भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़ी खबरें अक्सर आती रहती हैं। यह बात अब छिपी नहीं है कि शिक्षकों और रसोइए की मिलीभगत से बच्चों को पौष्टिक के बजाय बेहद कम मात्रा में और खराब गुणवत्ता वाला भोजन परोसा जाता है, मगर ऐसे मामले बहुत कम सामने आ पाते हैं।उत्तर प्रदेश की दोनों घटनाओं में भी कार्रवाई तब हुई, जब इनके वीडियो सार्वजनिक तौर पर सामने आए। इससे स्पष्ट है कि विभागीय स्तर पर मध्याह्न भोजन की निगरानी की व्यवस्था सिर्फ कागजों तक ही सीमित है। हालांकि, बच्चों के लिए भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के क्रम में तमाम तरह के नियम बनाए गए हैं, लेकिन व्यावहारिक स्तर पर उनका पालन कराने के लिए कोई प्रभावी तंत्र नजर नहीं आता है। ऐसे में जरूरी है कि विद्यालय के जिन शिक्षकों और अधिकारियों पर मध्याह्न भोजन की निगरानी एवं निरीक्षण का जिम्मा है, उनकी सीधे तौर पर जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

जेन ज़ी को बनाने वाले सबसे बड़े और असरदार कारणों में से एक है, हाइपर-कनेक्टेड डिजिटल दुनिया में उनकी परवरिश। कम उम्र से ही, यह पीढ़ी ऐसे माहौल में रही है जहाँ जानकारी, मनोरंजन और बातचीत उनकी उंगलियों पर आसानी से मिल जाती है। स्मार्टफ़ोन, सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म और हाई-स्पीड इंटरनेट ने तुरंत मिलने वाले फ़ायदे का एक इकोसिस्टम बनाया है। अपडेट के साथ नोटिफ़िकेशन आते हैं, न्यूज़ साइकिल मिनटों में रिफ़्रेश हो जाती हैं, और मनोरंजन ऑन डिमांड उपलब्ध होता है। तुरंत फ़ीडबैक और आसानी से मिलने वाले कंटेंट की यह लगातार स्ट्रीम अनजाने में ही डेवलप हो रहे दिमाग को जल्दी नतीजे और तुरंत इनाम की उम्मीद करने के लिए ट्रेन कर सकती है। इसलिए, जिन हालात में सब्र की ज़रूरत होती है, जैसे जवाब का इंतज़ार करना, कोई लंबा काम पूरा करना, या धीरे-धीरे, सोच-समझकर सीखना, वे फ्रस्ट्रेटिंग और अनचाही लग सकती हैं।

अब शिवाजी, चंद्रशेखर आज़ाद, भगत सिंह जैसे लोग क्यों नहीं मिलते?

(प्रोफ़ेसर (डॉ.) डी. के. पांडेय)

रोल-प्लेइंग (भूमिका निभाने वाले) सीन और ग्रुप डिस्कशन, जो सामाजिक स्थितियों और उनके नतीजों को समझते हैं, सही व्यवहार सिखाने और सामाजिक जागरूकता बढ़ाने में बहुत असरदार हो सकते हैं। माता-पिता अपने बच्चों और दूसरों के साथ बातचीत में सम्मानजनक व्यवहार का उदाहरण पेश करके अहम भूमिका निभा सकते हैं। आज के एक-दूसरे पर निर्भर समाज में युवाओं, खासकर जेनरेशन जेड (जेन ज़ी) का व्यवहार समाज के लिए बहुत चिंता का विषय बनता जा रहा है। उन्हें अक्सर बेसब्री, बिना सोचे-समझे सोचने की आदत और कुछ मामलों में, बुरे बर्ताव वाला माना जाता है। यह सोच, हालांकि आम हो सकती है, और हर व्यक्ति में अलग-अलग भी हो सकती है। लेकिन यह इसके अंदरूनी कारणों और समाज की संभावित प्रतिक्रियाओं की एक ज़रूरी जांच को बढ़ावा देती है। इन उभरते हुए पैटर्न को समझने के लिए एक बहुआयामी नज़रिए की ज़रूरत है, जिसमें टेक्नोलॉजी में तरक्की, पढ़ाई के बदलते तरीकों, पेरेंटिंग स्टाइल में बदलाव और बड़े सामाजिक-सांस्कृतिक माहौल के गहरे असर को माना जाए। यह आवश्यक है कि जेन ज़ी में इन आदतों के पीछे के संभावित कारणों पर गहराई से चर्चा हो, जिसमें डिजिटल इमर्शन, तुरंत मिलने वाले फ़ायदे का असर, जानकारी लेने का बदलता तरीका और उनके विकास को आकार देने वाले बदलते सामाजिक ढाँचों पर विचार किया जाए। तदनुसार, समाज ऐसे सुधार करें जिनसे इस पीढ़ी में ज़्यादा सब्र रखने, ज़्यादा तार्किक सोच विकसित करने और सम्मानजनक बातचीत को बढ़ावा मिलें।

डिजिटल बाढ़ और बेसब्री की खेती – जेन ज़ी को बनाने वाले सबसे बड़े और असरदार कारणों में से एक है, हाइपर-कनेक्टेड डिजिटल दुनिया में उनकी परवरिश। कम उम्र से ही, यह पीढ़ी ऐसे माहौल में रही है जहाँ जानकारी, मनोरंजन और बातचीत उनकी उंगलियों पर आसानी से मिल जाती है। स्मार्टफ़ोन, सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म और हाई-स्पीड इंटरनेट ने तुरंत मिलने वाले फ़ायदे का एक इकोसिस्टम बनाया है। अपडेट के साथ नोटिफ़िकेशन आते हैं, न्यूज़ साइकिल मिनटों में रिफ़्रेश हो जाती हैं, और मनोरंजन ऑन डिमांड उपलब्ध होता है। तुरंत फ़ीडबैक और आसानी से मिलने वाले कंटेंट की यह लगातार स्ट्रीम अनजाने में ही डेवलप हो रहे दिमाग को जल्दी नतीजे और तुरंत इनाम की उम्मीद करने के लिए ट्रेन कर सकती है। इसलिए, जिन हालात में सब्र की ज़रूरत होती है, जैसे जवाब का इंतज़ार करना, कोई लंबा काम पूरा करना, या धीरे-धीरे, सोच-समझकर सीखना, वे फ्रस्ट्रेटिंग और अनचाही लग सकती हैं। ऑनलाइन बातचीत का तेज़ नेचर, जहाँ छोटे मैसेज और थोड़ी देर का कंटेंट ज़्यादा होता है, लगातार ध्यान और गहरी बातचीत के लिए कम टॉलरेंस में भी योगदान दे सकता है, जिससे बेसब्री का कल्चर बढ़ता है। उदाहरण के लिए, मैसेजिंग ऐप पर तुरंत जवाब की उम्मीद या सोशल मीडिया फ़ीड पर तेज़ी से स्क्रॉल करने से लोग तुरंत संतुष्टि की उम्मीद करने लगते हैं, जिससे असल दुनिया की बातचीत की धीमी रफ़्तार मुश्किल लगने लगती है। नई चीज़ों और तेज़ी से जानकारी के इस लगातार संपर्क से बोरियत की क्षमता भी कम हो सकती है, एक ऐसी स्थिति जो अक्सर सोचने और क्रिएटिव प्रॉब्लम-सॉल्विंग स्किल्स के विकास को बढ़ावा देती है। जब डिजिटल ध्यान भटकाने वाली चीज़ों से बोरियत तुरंत दूर हो जाती है, तो सब्र और सेल्फ-रेगुलेशन विकसित करने के मौके कम हो जाते हैं।

इन्फॉर्मेशन ओवरलोड और लॉजिकल रीजनिंग का खत्म होना – डिजिटल युग ने जानकारी को डेमोक्रेटाइज़ कर दिया है, जिससे यह पहले से कहीं ज़्यादा आसानी से मिलने वाली हो गई है। लेकिन, इस एक्सेसिबिलिटी के साथ एक बड़ी चुनौती आती है- उपलब्ध जानकारी की बहुत ज़्यादा मात्रा और अक्सर अनवेरिफाइड नेचर। जेन ज़ी, जो इस बहुतायत के साथ बड़ा हुआ है, अक्सर शॉर्ट-फॉर्म कंटेंट, सोशल मीडिया फीड्स और वायरल ट्रेंड्स के ज़रिए जानकारी लेता है। इस्तेमाल का यह तरीका क्रिटिकल इवैल्यूएशन और लॉजिकल एनालिसिस के बजाय इमोशनल रेजोनेंस और तुरंत एंगेजमेंट को प्रायोरिटी दे सकता है। कई डिजिटल प्लेटफॉर्म को कंट्रोल करने वाले एल्गोरिदम यूज़र्स को एंगेज रखने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं, अक्सर ऐसा कंटेंट दिखाकर जो उनके मौजूदा बायस से मेल खाता है या मज़बूत इमोशनल रिस्पॉन्स को उकसाता है। इससे इको चैंबर बन सकते हैं, जहाँ लोग मुख्य रूप से उन नज़रियों के संपर्क में आते हैं जो उनके अपने नज़रियों को कन्फर्म करती हैं, जिससे अलग-अलग नज़रियों से जुड़ने और बारीक समझ डेवलप करने की उनकी क्षमता में रुकावट आती है। नतीजतन, भरोसेमंद सोर्स और गलत जानकारी के बीच अंतर करना एक मुश्किल काम बन जाता है। फेक न्यूज़ और सेंसेशनलाइज्ड कंटेंट के फैलने से युवाओं के लिए मज़बूत क्रिटिकल थिंकिंग स्किल्स डेवलप करना मुश्किल हो सकता है। इसके अलावा, कम जानकारी के आधार पर जल्दी से राय बनाने का दबाव, जो अक्सर ऑनलाइन बहस और तेज़ी से की जाने वाली कमेंट्री से और बढ़ जाता है, बेतुके तर्कों को अपनाने या बिना सबूत वाले दावों को मानने की ओर ले जा सकता है। उदाहरण के लिए, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कॉन्सपिरेसी थ्योरी की लोकप्रियता, जिनमें अक्सर अनुभव के सबूत नहीं होते लेकिन वे भावनात्मक रूप से मज़बूत होती हैं, यह दिखाती है कि बिना वेरिफाई की गई जानकारी कैसे लोगों का ध्यान खींच सकती है और तर्क पर असर डाल सकती है। उन्हें कैसे जांचा जाए, इस बारे में पूरी गाइडेंस के बिना विभिन्न नज़रिया के लगातार संपर्क में रहने से कन्फ्यूजन हो सकता है और सिस्टमैटिक, लॉजिकल तरीकों के बजाय ह्यूरिस्टिक्स या भावनात्मक अपील पर भरोसा हो सकता है।

बदलते सोशल नॉर्म्स और बुरे मैनर्स की सोच – मैनर्स की परिभाषा खुद एक जैसी नहीं है; यह सोशल नॉर्म्स और टेक्नोलॉजी में बदलाव के साथ बदलती रहती है। जेन ज़ी की बातचीत काफी हद तक डिजिटल कम्युनिकेशन पर निर्भर करती है। टेक्स्टिंग, डायरेक्ट मैसेजिंग और ऑनलाइन कमेंट्स में अक्सर बिना बोले इशारे, आवाज़ का टोन और सोशल कॉन्टेक्स्ट की कमी होती है जो आमने-सामने की बातचीत के लिए ज़रूरी हैं। उदाहरण के लिए, एक साफ-साफ टेक्स्ट मैसेज भेजने वाले के लिए एक अच्छी बातचीत हो सकती है, लेकिन पाने वाला इसे खारिज करने वाला या बदतमीज़ी समझ सकता है, खासकर अगर उसमें ग्रीटिंग या आखिर में बात करने जैसी आम तमीज़ न हो। इसके अलावा, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से मिलने वाली गुमनामी या दूरी से हिचकिचाहट कम हो सकती है, जिससे ज़्यादा गुस्सैल या बेपरवाह व्यवहार हो सकता है जो शायद सीधे, आमने-सामने की मुलाकातों में न हो। इसके अलावा, पेरेंटिंग स्टाइल में बदलाव, कुछ स्टडीज़ में ज़्यादा छूट देने वाली पेरेंटिंग का ट्रेंड बताया गया है, अनजाने में बच्चों के लिए ज़रूरी सोशल दक्षता, जैसे हमदर्दी, झगड़े सुलझाना, और अथॉरिटी वाले लोगों या अलग राय का सम्मान करने के मौके कम कर सकता है। जब बच्चों को नतीजों से बचाया जाता है या सही सोशल बिहेवियर के लिए लगातार गाइड नहीं किया जाता है, तो उन्हें तमीज़ से बातचीत के लिए ज़रूरी सेल्फ-डिसिप्लिन और दूसरों के लिए सोच-विचार डेवलप करने में मुश्किल हो सकती है।

समाज के लिए सुधार के कदम – आज शिवाजी, चंद्रशेखर आज़ाद और भगत सिंह जैसे लोग क्यों नहीं मिलते? क्योंकि जीजाबाई (शिवाजी की माँ) जैसी माँ नहीं हैं। एक बच्चे की अच्छी परवरिश उसे देशभक्त और भविष्य का नागरिक बनाने के लिए बहुत ज़रूरी है। जेन ज़ी में कही जा रही अनुशासनहीनता को ठीक करने के लिए पूरे समाज को एक साथ और कई तरह के तरीके अपनाने की ज़रूरत है। सिर्फ़ बुराई करने से आगे बढ़कर ऐसे रचनात्मक दखल पर ध्यान देना ज़रूरी है जो सकारात्मक विकास को बढ़ावा दें।

डिजिटल लिटरेसी और क्रिटिकल थिंकिंग को बढ़ावा देना – इन चुनौतियों से निपटने का एक तरीका डिजिटल साक्षरता और क्रिटिकल सोचने-समझने के कौशल को बढ़ाना है। एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स को स्टूडेंट्स को डिजिटल दुनिया में ज़िम्मेदारी से संचालन करना सिखाने को प्राथमिकता देनी चाहिए। इसमें गलत जानकारी की पहचान करने, एल्गोरिदमिक बायस को समझने और ऑनलाइन सोर्स की क्रेडिबिलिटी को एवैल्यूएट करने के बारे में साफ इंस्ट्रक्शन शामिल हैं। क्रिटिकल थिंकिंग स्किल्स को डेवलप करना सिर्फ़ एक एकेडमिक कोशिश नहीं है; इसके लिए अलग-अलग कॉन्टेक्स्ट में लगातार प्रैक्टिस की ज़रूरत होती है। डिबेट्स, रिसर्च प्रोजेक्ट्स जिनमें कई सोर्स से जानकारी को सिंथेसाइज़ करने की ज़रूरत होती है, और ऐसी डिस्कशन्स जिनमें कॉम्प्लेक्स एथिकल डिलेमाज़ को एक्सप्लोर किया जाता है, ये सभी ज़्यादा लॉजिकल रीज़निंग डेवलप करने में मदद कर सकते हैं। माता-पिता और शिक्षक खुलकर इस पर चर्चा करके क्रिटिकल थिंकिंग का मॉडल बना सकते हैं कि वे जानकारी को कैसे एवैल्यूएट करते हैं और राय कैसे बनाते हैं।

पेशेंस और डिलेड ग्रैटिफिकेशन को कल्टिवेट करना – पेशेंस को बढ़ावा देने के लिए ऐसा एनवायरनमेंट बनाने के लिए सोच-समझकर कोशिश करने की ज़रूरत होती है जो इसे बढ़ावा दे। स्कूल ऐसे असाइनमेंट डिज़ाइन कर सकते हैं जिनमें लंबे समय तक कमिटमेंट और लगन की ज़रूरत हो, जिससे स्टूडेंट्स को मेहनत की कीमत और लगातार काम करके लक्ष्य हासिल करने की संतुष्टि सिखाई जा सके।

भारत पहले, फिर दुनिया- क्या बदल रही है नेपाल की विदेश नीति की दिशा?

(यशोदा श्रीवास्तव)

प्रधानमंत्री बालेन शाह ने सत्ता संभालते ही यह संदेश दिया था कि विदेशी राजदूतों और राजनयिकों की प्रधानमंत्री कार्यालय तक सीधी पहुंच समाप्त की जाएगी और किसी भी विदेशी प्रतिनिधि से निजी मुलाकात नहीं की जाएगी। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह की विदेश यात्राओं की वरीयता को लेकर काठमांडो के राजनीतिक गलियारों में चल रही कयासबाजी पर विराम लग गया है, क्योंकि उनकी भारत यात्रा पर अब मुहर लग गई है। दरअसल, भारत ने बालेन शाह को यहां आने का निमंत्रण दिया था, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया है। नेपाल की राजनीति में भारत और खासकर बालेन शाह की विदेश नीति को लेकर इसे बड़े बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। नेपाल में अपना प्रभाव बढ़ा रहे चीन और अमेरिका बालेन की प्रथम विदेश यात्रा पर टकटकी लगाए हुए थे। वे उनकी विदेश यात्रा में अपने-अपने देश को प्राथमिकता मिलने की उम्मीद कर रहे थे। नेपाल का प्रधानमंत्री बनने के बाद बालेन शाह की सरकार चलाने की कार्यशैली कुछ ऐसी थी कि उन्हें और उनकी विदेश नीति को समझ पाना मुश्किल था। अब जब भारत का उनका दौरा लगभग तय हो गया है, तो अमेरिका और चीन का चौकन्ना होना स्वाभाविक है। राजनीतिक विश्लेषकों की दृष्टि में यह भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत है। प्रधानमंत्री बालेन शाह ने सत्ता संभालते ही यह संदेश दिया था कि विदेशी राजदूतों और राजनयिकों की प्रधानमंत्री कार्यालय तक सीधी पहुंच समाप्त की जाएगी और किसी भी विदेशी प्रतिनिधि से निजी मुलाकात नहीं की जाएगी। मगर अब उन्होंने अपनी शुरुआती नीति में बदलाव करते हुए करीबी सलाहकारों के माध्यम से भारत और चीन से सीधे संपर्क स्थापित करने की पहल शुरू कर दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने अपने करीबी सलाहकारों तथा पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, खासकर पार्टी अध्यक्ष रवि लामिछाने और विदेश मंत्री शिशिर खनाल से चर्चा के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा में भारत को प्राथमिकता दी है। दरअसल, प्रधानमंत्री बालेन शाह के प्रमुख सलाहकार कुमार व्यंजनकार की जुलाई के पहले सप्ताह में नई दिल्ली की यात्रा के बाद ही उनकी भारत यात्रा के कार्यक्रम में तेजी आई। यह सब इतना गोपनीय रखा गया कि इसकी भनक नेपाल के विदेश मंत्रालय तक को नहीं लगने दी गई। नेपाल के राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बेशक बालेन शाह की भारत यात्रा की रूपरेखा गोपनीय रखी गई, लेकिन इसकी जानकारी पार्टी अध्यक्ष रवि लामिछाने को जरूर रही होगी, क्योंकि कुछ दिन पहले ही वे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के आमंत्रण पर भारत की पांच दिवसीय यात्रा पर गए थे। नेपाल में जब भी सत्ता परिवर्तन होता है, तो वहां के नए प्रधानमंत्री की पहली विदेश यात्रा की प्राथमिकता पर भारत, चीन और अब अमेरिका की नजर जरूर रहती है। नेपाल में अपना प्रभाव बढ़ाने में लगातार सक्रियता बढ़ा रहे ये तीनों देश बालेन शाह की अपने-अपने देश की यात्रा को लेकर सक्रिय थे। पिछले दिनों अमेरिका और चीन के राजनयिक तथा शीर्ष नौकरशाह काठमांडो पहुंचे थे, लेकिन बालेन शाह की मुलाकात किसी से नहीं हुई। उन्होंने नेपाल की आंतरिक और बाह्य समस्याओं के समाधान में व्यस्तता के बीच विदेशी प्रतिनिधियों से मिलना जरूरी नहीं समझा। बालेन शाह की भारत यात्रा की पुष्टि के बाद नेपाल की विदेश नीति में बदलाव को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, प्रधानमंत्री बालेन शाह के भारत दौरे के पीछे जो प्रमुख कारण हो सकता है, वह यह कि भारतीय मीडिया में हाल के दिनों में उनकी सरकार को लेकर लगातार आलोचनात्मक खबरें आई हैं। कुछ रिपोर्टों में सरकार की लोकप्रियता घटने और उसके अधिक समय तक न टिक पाने के दावे किए गए, जिससे सरकार के भीतर नई कूटनीतिक पहल की आवश्यकता महसूस की गई। इसके अलावा नेपाल की मौजूदा सरकार पर घरेलू स्तर पर भी राजनीतिक दबाव बढ़ रहा है। भूमिहीनों के पुनर्वास, पासपोर्ट छपाई विवाद, गणेश नेपाली आत्मदाह प्रकरण तथा अन्य प्रशासनिक मुद्दों पर सरकार को लगातार आलोचना का सामना करना पड़ा है। ऐसे में माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री बालेन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी सक्रियता बढ़ाकर संतुलन बनाने की कोशिश में हैं, जिसकी शुरुआत के क्रम में भारत यात्रा भी शामिल है। उनकी भारत यात्रा का उद्देश्य दो तरफा है। दोनों देशों के बीच कई ऐसे मुद्दे हैं, जिनका समाधान बातचीत के जरिए ही संभव है। भारत और नेपाल के बीच संबंध चूंकि मैत्रीपूर्ण हैं, रोटी-बेटी का रिश्ता है, भौगोलिक दृष्टि से भी नेपाल भारत के बेहद करीब है। ऐसे में दोनों देश कभी नहीं चाहेंगे कि वे एक-दूसरे से दूरी बनाकर रहें।

उत्साह तभी सार्थक है जब उसके साथ जागरूक चेतना हो, तभी जीवन के निर्णय बनते हैं स्थायी

(शोभा जैन)

हम सभी किसी न किसी रूप में एक भय की ग्रंथि से जूझते हैं। ऐसे में संवाद एक उत्साह की चिंगारी जरूर है। दरअसल, दुख के वर्ग में जो स्थान भय का है, आनंद वर्ग में वही स्थान उत्साह का है। ऐसे में संवाद को मानव समाज की रीढ़ कहा जाए तो गलत नहीं होगा। यहीं से विचार की दोहरी प्रक्रिया शुरू होती है। संवाद का उपक्रम सत्संग भी है। जहां हम अपने मन के भावों को पलायन करने के बजाय अपने छूटे हुए अंतरंग की बुनियादी बुनाइयां बुनने लगे। नीरसता व्यक्ति को नकारात्मक और निरुत्साही बनाती है, तो उसमें मन की अस्थिर अवस्था की केंद्रीय भूमिका रहती है।

जीवन के निर्णय केवल उत्साह से नहीं, बल्कि परिष्कृत चेतना और जागरूकता से सार्थक बनते हैं। यह लेख बताता है कि कैसे चेतना, सांस्कृतिक मूल्य, संवाद और आत्मानुभव व्यक्ति के उत्साह, निर्णय क्षमता और जीवन की दिशा को प्रभावित करते हैं।

हमारी चेतना की जमीन हमारे जीवन को संचालित करने वाले निर्णयों से ही उपजती है। जीवन में कई बार ऐसी परिस्थिति बनती है, जब हमारा मानस निर्णय तो लेता है, लेकिन उन निर्णयों में स्थायित्व नहीं रहता। वे भविष्य में टिक नहीं पाते। चेतना सबकी एक ही होती है। फर्क होता उन मूल्यों का, जो हमारी चेतना में मौजूद रहते हैं। इन मूल्यों के अनुसार ही हमारी चेतना किसी घटना पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करती है। ये मूल्य ही इस बात का निर्धारण करते हैं कि वे कौन-से तत्त्व और कार्य होंगे, जो हमें अपराध-बोध से भरेंगे और हमें अपराध-बोध से मुक्त रखेंगे।

जीवन में कभी-कभी ऐसा पड़ाव भी आता है, जब हमारी चित्त अवस्था स्थिर नहीं होती। वैसे भी वह स्थिर नहीं, गतिशील है। वह ठहराव नहीं, निरंतर खोज है, लेकिन यहां अस्थिर होने का आशय विचलन से है। भीतर के प्रश्नों की यात्रा ठहरती नहीं। वह एक ऐसे प्रदेश में प्रवेश करती है, जहां आंतरिक खोज अपने ही छायापथ पर चलती है। मगर अस्थिर मन में जब कोई हमारे अनुकूल काम होता दिखाई देता है, तब मन अपने आप ही किसी आंतरिक उत्साह से भर जाता है। वह छोटा-सा उत्साह कितने दायित्वों को निभाने की ऊर्जा दे देता है, हम इसकी पूर्व से कल्पना भी नहीं कर सकते। जैसे अवसाद और आत्महत्या के केंद्र में होता है सहनशीलता का अभाव, ठीक वैसे ही उत्साह और जागरूकता के केंद्र में प्रोत्साहन भी एक कड़ी है।

जीवन में ऐसे कई अवसर आते हैं जब हम उत्साहित होकर किसी लक्ष्य को साधते हैं, लेकिन जागरूकता के अभाव में उस लक्ष्य का अपेक्षित परिणाम नहीं पाते। ठीक इसके उलट, एक व्यक्ति के भीतर किसी काम या लक्ष्य को हासिल करने की क्षमता तो हो, लेकिन उसके भीतर उत्साह की कमी हो, तो उसके लिए आसान राह भी मुश्किल होगी। इसके अलावा, एक स्थिति यह भी होती है कि क्षमता और उत्साह से लैस व्यक्ति को भी अगर कोई निराशा में डुबो दे, उसका उत्साह भंग कर दे, तो किसी काम को आसानी से पूरा करने की उसकी क्षमता विपरीत दिशा में प्रभावित होती है।

कहने का आशय यह कि अगर हमारा चित्त किसी विषय में उत्साहित रहता है, तो हम अन्य विषयों में भी अपना उत्साह दिखाते हैं। आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने एक जगह लिखा है- उत्साह वास्तव में कर्म और फल की मिली-जुली अनुभूति है, जिसकी प्रेरणा से तत्परता आती है। अगर फल दूर ही दिखाई पड़े, उसकी भावना के साथ उसका लेश मात्र भी कर्म या प्रयत्न के साथ-साथ लगाव न मालूम हो, तो हमारे हाथ-पांव कभी न उठें और उस फल के साथ हमारा संयोग ही न हो। इसमें कर्म-शृंखला की पहली कड़ी पकड़ते ही फल के आनंद की भी कुछ अनुभूति होने लगती है। अगर हमें यह निश्चय हो जाए कि अमुक स्थान पर जाने से हमें किसी प्रिय व्यक्ति का दर्शन होगा, तो उस निश्चय के प्रभाव से हमारी यात्रा भी अत्यंत प्रिय हो जाएगी। अगर हम किसी बात पर गुस्सा हुए बैठे हैं और इसी बीच में कोई दूसरा आकर हमसे कोई बात सीधी तरह भी पूछता है, तो भी हम उस पर झुंझला उठते हैं। यह सब मनोस्थिति द्वारा संचालित होता है और मनोस्थिति परिस्थितिजन्य होती है।

हम सभी किसी न किसी रूप में एक भय की ग्रंथि से जूझते हैं। ऐसे में संवाद एक उत्साह की चिंगारी जरूर है। दरअसल, दुख के वर्ग में जो स्थान भय का है, आनंद वर्ग में वही स्थान उत्साह का है। ऐसे में संवाद को मानव समाज की रीढ़ कहा जाए तो गलत नहीं होगा। यहीं से विचार की दोहरी प्रक्रिया शुरू होती है। संवाद का उपक्रम सत्संग भी है। जहां हम अपने मन के भावों को पलायन करने के बजाय अपने छूटे हुए अंतरंग की बुनियादी बुनाइयां बुनने लगे। नीरसता व्यक्ति को नकारात्मक और निरुत्साही बनाती है, तो उसमें मन की अस्थिर अवस्था की केंद्रीय भूमिका रहती है। इसलिए उत्साह में चिंतन की स्थिति बनी रहे, जिसे हम जागरूकता की परिपक्व अवस्था भी कह सकते हैं। बस उत्साह क्षणिक उद्वेगयुक्त होता है, इसलिए उसमें जागरूकता का होना पहली शर्त है।

हमारे उत्साह में हमारी चेतना की भूमिका सर्वोपरि है। चेतना के स्तर पर कभी कोई भेद भी नहीं होते, तो भेद हमेशा विचारों के स्तर पर होते हैं। ज्यादातर लोग अपनी चेतना को शुद्ध ही मानकर चलते हैं। तर्क-वितर्क से उसे न्यायसंगत ठहरा देते हैं। ऐसे में जीवन में घटित घटनाओं में अपनी निजी चेतना को शुद्धि की कसौटी पर स्वयं कसकर देखना चाहिए। हम दंग रह जा सकते हैं कि जो कुछ भी हमारे साथ हुआ, उसके केंद्र में हमारी चेतना है। शुद्ध चेतना जो हमारे कार्य को स्वयं निदेशित करे, किसी दूसरे की चेतना उसकी वैचारिकी का अनुगमन करना होगा। अपनी चेतना को परिष्कृत भी करना पड़ता है और इसमें सबका अपना अलग तरीका होता है, सबके अनुभव अलग। उत्साह और जागरूकता में चेतना की अहम भूमिका रहती है। चेतना में सांस्कृतिक मूल्यों की पहचान उसकी परिधि में निहित है। जीवन दर्शन और परिवेश इसके रसायन हैं। चेतना निरंतर परिष्कृत होने की प्रक्रिया है, क्योंकि जो आज है, कल वह अनुभव भी रहे, यह जरूरी नहीं। राम और रावण दोनों में चेतना थी, लेकिन भिन्न स्तर की।अपने उत्साह को बढ़ाने की कुंजी यह है कि हम अपने स्वार्थ से परे किसी ऐसे उद्देश्य के प्रति समर्पित हो जाएं, जिसके प्रति हमारी गहरी लगन हो, जिसमें हमारी चेतना की परिष्कृत अवस्था हो। दूसरों से अर्जित नहीं, स्व-अनुभव से अर्जित। यह उद्देश्य हमें प्रतिबद्धता देगा।

नारायणपुर से निकली तिरंगा यात्रा बीजापुर के कर्रेगुट्टा में होगा संपन्न

उपमुख्यमंत्री और वन मंत्री केदार कश्यप ने बाइक चलाकर नारायणपुर से किया तिरंगा बाईक रैली की शुरुआत

उप मुख्यमंत्री और वन मंत्री ने फूंका विकास का बिगुल, किया विकास के आगाज का संदेश

जगदलपुर। बस्तर में शांति, एकता और राष्ट्र निर्माण का संदेश लेकर बुधवार को नारायणपुर जिला मुख्यालय के हायर सेकेंडरी स्कूल ग्राउंड से श्बस्तर तिरंगा यात्रा 2026श् का शुभारंभ हुआ। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा एवं वन मंत्री केदार कश्यप बाइक पर तिरंगा लेकर यात्रा का नेतृत्व करते हुए रवाना हुए, जिसे क्षेत्र के विभिन्न समाज प्रमुखों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। बस्तर तिरंगा यात्रा के आयोजन में शामिल बच्चों से मंत्री द्वय ने उनके बीच पहुंच कर आत्मीयता के साथ मुलाकात की और सभी का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर उन्होंने विकास का बिगुल फूंकते हुए सभी को शांति और विकास का संदेश दिया। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि यह यात्रा उन क्षेत्रों से होकर गुजरेगी, जहां पहले नक्सली घटनाओं ने लोगों को प्रभावित किया था। उन्होंने कहा कि यात्रा के माध्यम से देश और दुनिया को यह संदेश दिया जाएगा कि इन क्षेत्रों में अब नक्सलवाद समाप्त हो चुका है। उन्होंने बताया कि नारायणपुर का चयन विशेष उद्देश्य के तहत किया गया है, क्योंकि यह जिला सबसे लंबे समय तक नक्सल प्रभावित रहा है। यात्रा का समापन 14 अगस्त को बीजापुर जिले के कर्रेगुट्टा पहाड़ी पर तिरंगा फहराकर किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में माओवाद के विरुद्ध नीति बनाकर नियत तिथि पर 31 मार्च 2026 में नक्सलवाद राज्य के साथ साथ देश से समाप्त किया गया है। आज के बाद हर राष्ट्रीय पर्व एवं स्वतंत्रता दिवस पर बस्तर के कोने-कोने तक भारत का तिरंगा पूरी आन, बान और शान से लहराएगा। उन्होंने कहा कि जनवरी 2024 से लेकर अब तक बस्तर के अनेक दुर्गम गाँवों में लगातार राष्ट्रीय पर्वों पर ध्वजारोहण किया गया है। इस स्वतंत्रता दिवस पर बस्तर सम्भाग के 90 से अधिक ऐसे गाँव हैं, जहाँ आजादी के बाद पहली बार इस स्वाधीनता दिवस पर तिरंगा लहराया जाएगा। उन्होंने कहा कि तिरंगा फहरने का मतलब बाबा साहब के द्वारा लिखा संविधान अब राज्य के कोने कोने पर लागू होगा। शर्मा ने कहा कि आज जब मैं बस्तर के अलग अलग गांवों में जाता हूँ तो बस्तरवासी कहते हैं कि वे खुद को सही मायनों में स्वतंत्र महसूस कर रहे हैं और अब कोई ऐसी ताकत नहीं बची जो भारत के राष्ट्रीय ध्वज को नकार सके। पहले राष्ट्रीय पर्वों पर माओवादियों का फरमान होता था कि अपने घरों में काला झंडा लगाया जाए, आज हर घर में तिरंगा फहर रहा है। इसमें बस्तर के लोगों ने अपने मनोबल और जवानों का अदम्य साहस सहयोग रहा, जिससे नक्सलावाद से मुक्ति पाई है। अब समय आ गया है कि दुनिया के लोग बस्तर को जानें, अब बस्तर के लोग दुनिया में छाने वाले हैं। बस्तर के लोग आगे चलकर नया इतिहास लिखने वाले हैं। गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि बस्तर में अब लोगों को मूलभूत सुविधाएं, विकास कार्य और सुरक्षा का वातावरण मिल रहा है। शासन बस्तर में सड़क, शिक्षा, कौशल विकास, लघु वनोपज के प्रसंस्करण और रोजगार के क्षेत्र में योजनाबद्ध तरीके से काम कर रही है। वहीं विकास कार्यों में गुणवत्ता को लेकर उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में गड़बड़ी करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वन मंत्री एवं नारायणपुर विधायक केदार कश्यप ने कहा कि कभी नक्सल गतिविधियों का केंद्र माने जाने वाले क्षेत्रों से आज तिरंगा यात्रा निकल रही है। उन्होंने कहा कि यात्रा उन स्थानों की मिट्टी एकत्रित करेगी, जहां जवानों और नागरिकों ने शहादत दी है। इस मिट्टी का उपयोग भविष्य में बनने वाले स्मारक में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बस्तर अब नक्सलवाद से मुक्त होकर विकास और समृद्धि की दिशा में आगे बढ़ रहा है। 12 अगस्त से प्रारंभ होकर 14 अगस्त तक बस्तर के अति-संवेदनशील और भीषण माओवाद प्रभावित रहे इलाकों से गुजरेगी।आज पहले दिन यात्रा नारायणपुर से शुरू होकर यात्रा मुंजमेटा, झारागांव, धौड़ाई, कन्हारगांव, कड़ेनार, बोदली, सातधार, बारसुर होते हुए दंतेवाड़ा पहुंची। दूसरे दिन यात्रा दंतेवाड़ा से सुकमा और बीजापुर जिले के विभिन्न नक्सल प्रभावित क्षेत्रों से होकर गुजरेगी। तीसरे दिन बीजापुर से आवापल्ली, उसूर, गलगम, नंबी, ताड़पाला होते हुए कर्रेगुट्टा पहाड़ी पर यात्रा का समापन होगा। इस अवसर पर लघु वनोपज संघ के अध्यक्ष रूपसाय सलाम, जिला पंचायत अध्यक्ष नारायण मरकाम, नगर पालिका के अध्यक्ष इंद्रप्रसाद बघेल, जनप्रतिनिधि राहुल टिकरिया श्रीमती संध्या पवार सहित अन्य जनप्रतिनिधि और कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह, आईजी बद्री नारायण मीणा, कलेक्टर श्रीमती नम्रता जैन, एसपी संदीप कुमार पटेल, जिला पंचायत सीईओ डीएफओ सहित बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे।

हरेली पण्डुम पर गोंड समाज के नए भवन का लोकार्पण, विधायक बोले- एकजुटता से ही समाज को मिलेगी नई दिशा

कृषि औजारों की पूजा के बाद हुआ लोकार्पण, सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र बनेगा भवन

बीजापुर। प्रकृति, पर्यावरण और कृषि के प्रथम पर्व हरेली पण्डुम के अवसर पर गोंड समाज के नव निर्मित सामाजिक भवन का लोकार्पण समारोह उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी शामिल हुए। अतिथियों के स्वागत के पश्चात पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार कृषि औजारों की पूजा-अर्चना की गई, जिसके बाद विधायक विक्रम मंडावी ने भवन का लोकार्पण किया। तत्पश्चात पुरखा देवों की अर्जी कर समाज की सुख-समृद्धि एवं उन्नति की कामना की गई।

लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए विधायक विक्रम मंडावी ने गोंड सामाजिक भवन के निर्माण पर समाज को बधाई देते हुए कहा कि यह भवन नियमित बैठकों और सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से समाज को नई दिशा देने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि समाज को आगे बढ़ाने के लिए समन्वय आवश्यक है तथा अंतिम व्यक्ति को साथ लेकर चलना होगा। समाज की पहचान उसकी एकता और संगठन से होती है, इसलिए सभी को समाज की मजबूती के लिए मिलकर कार्य करना चाहिए। गोंड समाज अध्यक्ष कामेश्वर दुब्बा ने कहा कि समाज के लिए आज ऐतिहासिक दिन है। नव निर्मित सामाजिक भवन सामाजिक भाईचारा, एकता और सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनेगा। उन्होंने कहा कि यह भवन समाज के लोगों को एक मंच पर लाकर सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देने का कार्य करेगा। सर्व आदिवासी समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष ललित नरेटी ने प्रकृति, पर्यावरण और आदिवासी समुदाय की सामूहिकता तथा वैज्ञानिक जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हरेली केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति आदर और सामूहिक जीवन शैली का प्रतीक है। उन्होंने इस परंपरा और संस्कृति को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का आह्वान किया। गोंडवाना समन्वय समिति के अध्यक्ष अमित कोरसा ने कहा कि जिले के सभी आदिवासी समाज न केवल सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजनों में एकजुट होकर भागीदारी निभा रहे हैं, बल्कि संवैधानिक अधिकारों की रक्षा और समाज के हितों के लिए भी संगठित होकर कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान समाज के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवाओं एवं अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह को कमलेश कारम, नीना रावतिया उद्दे एवं अशोक तलांडी ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में समाज प्रमुखों, युवाओं एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

हरेली पण्डुम

- कृषि औजारों की पूजा-अर्चना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत
- विधायक विक्रम मंडावी ने किया सामाजिक भवन का लोकार्पण
- भवन में सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक गतिविधियों को मिलेगा मंच
- उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवाओं और अतिथियों का सम्मान
- बड़ी संख्या में समाज प्रमुख, युवा और ग्रामीण रहे मौजूद

एनएमडीसी सीएसआर की पहल: दंतेवाड़ा के 30 आदिवासी युवाओं को बेंगलुरु में मिलेगा तकनीकी प्रशिक्षण

किरंदुल। एनएमडीसी सीएसआर के सौजन्य से दंतेवाड़ा एवं बस्तर जिले के 30 आदिवासी युवाओं को रोजगारोन्मुखी तकनीकी शिक्षा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। एनटीटीएफ बेंगलुरु के सहयोग से जिले के 30 आदिवासी युवाओं को 'कन्वेंशनल एवं सीएनसी मशीनिस्ट/ असिस्टेंट तकनीशियन इलेक्ट्रॉनिक असेंबली' कोर्स 10 महीना पाठ्यक्रम के लिए बेंगलुरु भेजा गया। एनएमडीसी का उद्देश्य आदिवासी अंचल के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा, आधुनिक औद्योगिक कौशल एवं उज्ज्वल रोजगार के अवसरों से जोड़ना है। इस पहल के तहत युवाओं को आत्मनिर्भर, कुशल एवं भविष्य की औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप सक्षम बनाया जाएगा। कार्यक्रम में परियोजना प्रमुख रविन्द्र नारायण (अधिशासी निदेशक), के एल नागवेनी, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन), एम तिरुपति राव, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन), तनवीर जावेद उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन), मुख्य महाप्रबंधक उत्पादन जे. सी. दास, महाप्रबंधक अनुबंध वी .मधुसूदना, वर्क्स से झड़पे महा प्रबंधक (सिविल), उप महाप्रबंधक (सिविल) एल प्रधान, विजिलेंस विभाग से अशोक कुमार ठाकुर, सीएसआर विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक विवेक कुमार रक्षा, प्रबंधक (सिविल) सी एस आर सुखराम गावड़े , यूनियन पदाधिकारी ए के सिंह, विनोद कश्यप, देव रायलु, रोशन मिश्रा, एसोशिएशन से बी एल तारम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। एनएमडीसी अधिकारियों ने बताया कि यह पहल न केवल युवाओं के कौशल विकास का माध्यम है, बल्कि दंतेवाड़ा जिले के आदिवासी युवाओं को आत्मनिर्भरता, सम्मानजनक रोजगार और उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर करने वाली एनएमडीसी की सामाजिक प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण भी है।

पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था की मांग को लेकर बैंककर्मियों का प्रदर्शन, कांकेर में जमकर की नारेबाजी

कांकेर। कांकेर यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स (यूएफबीयू) के आह्वान पर बुधवार, 12 अगस्त को देशभर में बैंक कर्मचारियों द्वारा प्रदर्शन किया गया। इसी कड़ी में कांकेर में भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य शाखा के सामने राष्ट्रीयकृत बैंकों के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने एकजुट होकर प्रदर्शन किया और अपनी मांगों को लेकर जमकर नारेबाजी की।बैंक कर्मचारियों का यह आंदोलन पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू किए जाने की प्रमुख मांग को लेकर किया गया। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में बैंक अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। कर्मचारियों ने कहा कि बैंकिंग सेवाओं में लगातार बढ़ते कार्यभार और कर्मचारियों की समस्याओं को देखते हुए पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम का नेतृत्व अधिकारी संघ के क्षेत्रीय सचिव दिनेश मंडावी एवं अवाई यूनियन के क्षेत्रीय सचिव पवन वर्मा ने किया।

टाटामारी में हरेली त्योहार पर हुआ फूड फेस्टिवल का आयोजन

कायाकिंग और म्यूजियम का हुआ शुभारंभ

केशकाल । केशकाल के इको पर्यटन केंद्र टाटामारी में हरेली पर्व के अवसर पर प्रकृति, संस्कृति और स्थानीय व्यंजनों का अनूठा संगम देखने को मिला। वन विभाग के नेतृत्व में आयोजित फूड फेस्टिवल में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों, महिला स्व-सहायता समूहों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। छत्तीसगढ़ी परंपरा के अनुसार विधिवत पूजा-अर्चना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इसके बाद महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए बस्तर और छत्तीसगढ़ के पारंपरिक व्यंजनों का अतिथियों ने स्वाद लिया। कार्यक्रम के दौरान टाटामारी को प्लास्टिक मुक्त बनाने की विशेष मुहिम की शुरुआत की गई। वहीं नगर पंचायत अध्यक्ष बिहारीलाल सोरी के हाथों म्यूजियम और टाटामाड़ी में कायाकिंग सुविधा का भी शुभारंभ किया गया। इस दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष बिहारीलाल सोरी, पार्षद भूपेश चंद्राकर, डीएफओ दिव्या गौतम, एसडीओ सुषमा नेताम, वरिष्ठ पत्रकार कृष्णदत्त उपाध्याय समेत वन विभाग की पूरी टीम एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे।

प्लास्टिक मुक्त टाटामारी की दिशा में पहल- डीएफओ दिव्या गौतम ने बताया कि हरेली पर्व के आयोजन का उद्देश्य लोगों को प्रकृति और स्थानीय परंपराओं से जोड़ना है। महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा पर्यटकों और अतिथियों के लिए पारंपरिक व्यंजन तैयार किए गए। टाटामारी के तालाब में कायाकिंग सुविधा शुरू की गई है। साथ ही पूर्व में लिए गए प्लास्टिक मुक्त टाटामाड़ी के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए स्थानीय महिला समूहों और दुकानदारों को 10-10 रुपये के टोकन उपलब्ध कराने की पहल की जा रही है, ताकि प्लास्टिक के उपयोग को कम किया जा सके और टाटामाड़ी को प्लास्टिक मुक्त बनाया जा सके।

प्रकृति संरक्षण का संदेश देता है हरेली आयोजन- इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष बिहारीलाल सोरी ने हरेली त्योहार के अवसर पर वन विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस आयोजन के माध्यम से लोगों को जंगल और हरियाली के संरक्षण का महत्वपूर्ण संदेश मिला है। उन्होंने इस आयोजन के लिए वन विभाग एवं महिला समूहों की सराहना करते हुए समस्त केशकालवासियों को हरेली पर्व की शुभकामनाएं दीं।

संस्कृति, पर्यटन और पर्यावरण संरक्षण का संगम : पार्षद- पार्षद भूपेश चन्द्राकर ने कहा कि वन विभाग द्वारा टाटामारी के माध्यम से अब केशकाल क्षेत्र के अन्य पर्यटन स्थलों को भी पहचान मिल रही है और बाहरी पर्यटक यहां पहुंच रहे हैं।

एकलव्य विद्यालय बेड़मा के विद्यार्थियों ने तिरंगा लेकर निकाली भव्य रैली, भारत का मानचित्र और "EMRS BEDMA" की आकृति बनाकर दिया एकता का संदेश

हर घर तिरंगा रैली में गूंजा राष्ट्रभक्ति का संदेश, विद्यार्थियों ने बनाया भारत का नक्शा

केशकाल। देशभर में चलाए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान के तहत एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय बेड़मा में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। रैली के दौरान विद्यालय परिसर एवं आसपास का क्षेत्र राष्ट्रभक्ति के नारों और तिरंगे की शान से सराबोर नजर आया। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर विद्यार्थियों ने अनुशासनबद्ध तरीके से रैली में सहभागिता की तथा लोगों को अपने घरों पर तिरंगा फहराने और राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान बनाए रखने का संदेश दिया। रैली में शामिल विद्यार्थियों में देशभक्ति का उत्साह देखते ही बन रहा था। विद्यार्थी हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के नारे लगाते हुए आगे बढ़े। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय एकता, अखंडता और देश के प्रति जिम्मेदारी की भावना का संदेश दिया। विद्यालय के शिक्षकगण भी विद्यार्थियों के साथ रैली में शामिल रहे और पूरे आयोजन को व्यवस्थित एवं अनुशासित तरीके से संपन्न कराने में सहयोग किया। रैली के समापन के अवसर पर विद्यालय के ग्राउंड में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता और अनुशासन का शानदार प्रदर्शन करते हुए समूह के माध्यम से भारत का मानचित्र तैयार किया। इसके साथ ही विद्यार्थियों ने मिलकर धरूक्ष उधछक्र की आकर्षक आकृति भी बनाई। तिरंगे के साथ विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई भारत के मानचित्र और विद्यालय के नाम की आकृति कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रही। इस दृश्य ने उपस्थित लोगों में देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना को और मजबूत किया।विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत इस गतिविधि में एकता और सामूहिक सहभागिता की झलक देखने को मिली। अलग-अलग समूहों में शामिल विद्यार्थियों ने आपसी समन्वय और अनुशासन के साथ निर्धारित स्थान पर खड़े होकर भारत का नक्शा और धरूक्ष उधछक्र की आकृति तैयार की। विद्यालय परिवार एवं उपस्थित लोगों ने विद्यार्थियों के इस प्रयास की सराहना की।कार्यक्रम के समापन समारोह में मुख्य अतिथि विकास जी बघेल, थाना प्रभारी केशकाल उपस्थित रहे। उनके साथ विद्यालय के प्राचार्य तोरण सिंह वर्मा तथा सभी शिक्षकगण मौजूद रहे। मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि राष्ट्रीय ध्वज केवल एक प्रतीक नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है। प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह राष्ट्रध्वज का सम्मान करे और देश की प्रगति में अपनी जिम्मेदारी निभाए। उन्होंने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एकता, अनुशासन और जिम्मेदार नागरिक बनने के महत्व के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में देशभक्ति की भावना के साथ-साथ अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और सामाजिक जिम्मेदारी का विकास होना आवश्यक है। ऐसे आयोजन युवा पीढ़ी को राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को समझने का अवसर प्रदान करते हैं। प्राचार्य तोरण सिंह वर्मा ने भी विद्यार्थियों की सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि हर घर तिरंगा अभियान का उद्देश्य लोगों में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और देशभक्ति की भावना को मजबूत करना है। विद्यालय में आयोजित रैली और मानचित्र निर्माण जैसी गतिविधियों से विद्यार्थियों में राष्ट्रीय चेतना के साथ-साथ टीमवर्क, अनुशासन और रचनात्मकता का विकास होता है।इस प्रकार एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय बेड़मा में आयोजित हर घर तिरंगा रैली राष्ट्रभक्ति, एकता और अनुशासन का संदेश देते हुए संपन्न हुई। विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए भारत के मानचित्र और धरूक्ष उधछक्र की आकृति ने आयोजन को विशेष और यादगार बना दिया।

संक्षिप्त समाचार

14 अगस्त को जिला स्तरीय स्वतंत्रता दौड़, तिरंगा यात्रा में शामिल होंगे शहरवासी

बिलासपुर। जिला प्रशासन तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 14 अगस्त 2026 को जिला स्तरीय स्वतंत्रता दौड़ (तिरंगा यात्रा) का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम सवेरे 7.30 बजे से शुरू होगा। वंदेमातरम् की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर तिरंगा यात्रा को भी इस आयोजन में शामिल किया गया है। कार्यक्रम के तहत स्वतंत्रता दौड़ के पूर्व वंदेमातरम् का सामूहिक गायन किया जाएगा। इसके बाद प्रतिभागी नेहरू चौक से सवेरे 7.30 बजे दौड़ शुरू करेंगे। यात्रा देवकीनंदन चौक, कम्पनी गार्डन, राघवेन्द्र राव सभा भवन, सदर बाजार और गोल बाजार मार्ग से होते हुए पंडित देवकीनंदन दीक्षित सभाभवन स्थित लाल बहादुर शास्त्री विद्यालय परिसर में पहुंचकर संपन्न होगी। स्वतंत्रता दौड़ में जिले के जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, एनसीसी, एनएसएस, खेल संघों के पदाधिकारी, खिलाड़ी तथा जिला मुख्यालय के स्कूल-कॉलेजों के विद्यार्थियों से अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करने की अपील की गई है।जिला प्रशासन एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने नागरिकों से देश के प्रति सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ इस आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आह्वान किया है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बिलासपुर में देशभक्ति से जुड़े अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं।

हर घर तिरंगा रैली का भव्य आयोजन, डाक विभाग ने दिया देशभक्ति का संदेश

बिलासपुर। भारतीय डाक विभाग के बिलासपुर संभाग द्वारा आज प्रवर अधीक्षक श्री बी. एल. जांगड़े के नेतृत्व में हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत भव्य देशभक्ति रैली का आयोजन किया गया। रैली के माध्यम से नागरिकों में राष्ट्रप्रेम, एकता और तिरंगे के प्रति सम्मान की भावना जागृत करने का संदेश दिया गया। जैन इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों को कराया डाक विभाग से परिचित - रैली के दौरान जैन इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों को डाक विभाग की कार्यप्रणाली एवं सेवाओं की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को राष्ट्रध्वज के महत्व तथा तिरंगे के सम्मान के प्रति भी जागरूक किया गया। सीआरपीएफ रैली का किया आत्मीय स्वागत -केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के कमांडेंट श्री मनोज कुमार के नेतृत्व में निकली देशभक्ति से ओतप्रोत रैली का प्रधान डाकघर बिलासपुर परिसर में प्रवर अधीक्षक श्री बी. एल. जांगड़े द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। इस दौरान देशभक्ति का उत्साह और राष्ट्रप्रेम का माहौल देखने को मिला। इस गौरवपूर्ण अवसर पर बिलासपुर डाक विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने तथा नागरिकों में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और तिरंगे के प्रति सम्मान की भावना को और अधिक सशक्त करने का संकल्प लिया।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत आयुष विभाग ने निकाली तिरंगा रैली

बिलासपुर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने और नागरिकों को राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान एवं जागरूकता के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के निर्देशानुसार ''हर घर तिरंगा अभियान'' के अंतर्गत आयुष विभाग द्वारा गौरव पथ रिंग नंबर-2 में भव्य तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। रैली का नेतृत्व जिला आयुष अधिकारी डॉ. यशपाल सिंह ध्रुव ने किया। इस दौरान आयुष विभाग के अधिकारी-कर्मचारी पूरे उत्साह और देशभक्ति के जज्बे के साथ हाथों में तिरंगा लेकर रैली में शामिल हुए। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत नारों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता, अखंडता और देशप्रेम का संदेश दिया। रैली के मार्ग में उपस्थित नागरिकों को अपने-अपने घरों, प्रतिष्ठानों एवं संस्थानों में राष्ट्रीय ध्वज सम्मानपूर्वक फहराने के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने बताया कि ''हर घर तिरंगा अभियान'' का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक को राष्ट्रीय ध्वज से भावनात्मक रूप से जोड़ना तथा स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय पर्व को पूरे उत्साह, गौरव और गरिमा के साथ मनाने के लिए प्रेरित करना है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता भर्ती, आवेदन 27 अगस्त तक

बिलासपुर। एकीकृत बाल विकास परियोजना सरकंडा अंतर्गत ग्राम धूमा के आंगनबाड़ी केन्द्र धूमा 01 में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के एक रिक्त पद हेतु 27 अगस्त 2026 तक ऑनलाईन आवेदन मंगाये गये है। इच्छुक आवेदिका वेबसाईट https://aww.e-bharti.in में जाकर आवश्यक दस्तावेज अपलोड करते हुए आवेदन कर सकती है। ऑफलाइन आवेदन परियोजना कार्यालय में स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

कलेक्टर-एसएसपी ने तैयारियों का लिया जायजा

स्वतंत्रता दिवस समारोह का अंतिम फुल ड्रेस रिहर्सल संपन्न

■ पुलिस परेड ग्राउंड में 15 अगस्त के मुख्य समारोह का किया गया हूबहू पूर्वाभ्यास

बिलासपुर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय मुख्य समारोह की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। आज सवेरे पुलिस परेड ग्राउंड में स्वतंत्रता दिवस समारोह का अंतिम फुल ड्रेस रिहर्सल आयोजित किया गया। रिहर्सल में 15 अगस्त को केंद्रीय राज्यमंत्री श्री तोखन साहू के मुख्य आतिथ्य में आयोजित होने वाले मुख्य समारोह की पूरी रूपरेखा का हूबहू पूर्वाभ्यास किया गया।कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल और एसएसपी श्री रजनेश सिंह ने रिहर्सल के दौरान समारोह के मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम का सूक्ष्मता से अवलोकन किया। उन्होंने परेड, सांस्कृतिक कार्यक्रम, बैंड प्रदर्शन, पुरस्कार एवं सम्मान सहित प्रत्येक आयोजन की बारीकियों को देखा और राष्ट्रीय पर्व की गरिमा एवं भव्यता के अनुरूप सभी तैयारियां समयबद्ध और बेहतर ढंग से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संदीप अग्रवाल ने रिहर्सल में मुख्य अतिथि की भूमिका निभाई। फुल ड्रेस रिहर्सल में ध्वजारोहण, राष्ट्रगान, परेड निरीक्षण और 13 टुकड़ियों द्वारा शानदार मार्च पास्ट का पूर्वाभ्यास किया गया। स्कूली बच्चों ने देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दीं। मुख्य समारोह के लिए इस बार छह स्कूलों का चयन किया गया है, जिनके विद्यार्थी सामूहिक रूप से देशभक्ति पर आधारित प्रस्तुतियां देंगे। इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस समारोह में एक नया आकर्षण बच्चों द्वारा साहसिक खेल ताईक्वांडो का प्रदर्शन होगा। इसके साथ ही जिला पुलिस एवं केंद्रीय जेल की संयुक्त बैंड द्वारा देशभक्ति की धुनों पर विशेष प्रस्तुति दी जाएगी। मुख्य समारोह में नक्सल हिंसा में शहीद हुए जवानों एवं नागरिकों के परिवारों के प्रति आदर और श्रद्धा व्यक्त करते हुए उनके योगदान को नमन किया जाएगा। वहीं शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया जाएगा। ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा समारोह में नशामुक्ति की शपथ भी दिलाई जाएगी। अंतिम रिहर्सल के माध्यम से समारोह के प्रत्येक चरण का समयबद्ध एवं व्यवस्थित पूर्वाभ्यास किया गया। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह गरिमापूर्ण, अनुशासित और आकर्षक हो तथा कार्यक्रम में शामिल होने वाले नागरिकों, विद्यार्थियों और अतिथियों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कर ली जाएं। जिला प्रशासन द्वारा स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

हत्या के प्रयास के फरार आरोपी शिवा को कोनी पुलिस ने किया गिरफ्तार....

■ इसी मामले में आदतन गुंडा-बदमाश अर्जुन सिंह ठाकुर को पूर्व में गिरफ्तार कर भेजा जा चुका है जेल

बिलासपुर। जिले में हत्या, चाकूबाजी और अन्य गंभीर अपराधों में संलिप्त आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश के तहत कोनी पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी शिवा सिंह ठाकुर को गिरफ्तार किया है। आरोपी को आवश्यक कार्रवाई के बाद माननीय न्यायालय के समक्ष रिमांड के लिए प्रस्तुत किया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान शिवा सिंह ठाकुर, पिता मुन्ना सिंह ठाकुर, उम्र 33 वर्ष, निवासी ग्राम पौंसरा, थाना कोनी, जिला बिलासपुर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार 29 अप्रैल 2026 को करीब 3 बजे आरोपी अर्जुन ठाकुर और शिवा ठाकुर ने दीपक भार्गव के साथ गाली-गलौज करते हुए बीयर की बोतल और हाथ-मुक्के से मारपीट की थी। हमले में दीपक भार्गव को गंभीर चोटें आई थीं। घटना के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए थे। पुलिस अधीक्षक बिलासपुर श्री रजनेश सिंह के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) श्री पंकज कुमार पटेल एवं नगर पुलिस अधीक्षक, कोतवाली श्री गगन कुमार के मार्गदर्शन में कोनी पुलिस द्वारा फरार आरोपियों की लगातार पतासाजी की जा रही थी। मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 18 मई 2026 को आदतन गुंडा-बदमाश अर्जुन सिंह ठाकुर को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया था, जहां से उसे जेल भेज दिया गया था। वहीं घटना के बाद से आरोपी शिवा ठाकुर लगातार फरार चल रहा था और पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। 12 अगस्त 2026 को पुलिस को सूचना मिली कि फरार आरोपी शिवा ठाकुर अपने ग्राम पौंसरा स्थित निवास पर मौजूद है। सूचना पर कोनी पुलिस की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर आरोपी शिवा सिंह ठाकुर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपी ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। इसके बाद उसके विरुद्ध विधिवत गिरफ्तारी की कार्रवाई पूरी कर उसे माननीय न्यायालय के समक्ष रिमांड हेतु प्रस्तुत किया गया।

इंटर्न डॉक्टरों ने विधायक अग्रवाल से की मुलाकात स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर सौंपा गया ज्ञापन

बिलासपुर। प्रदेश में जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन द्वारा मासिक स्टाइपेंड में वृद्धि की मांग को लेकर प्रयास तेज किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सिम्स, बिलासपुर में कार्यरत इंटर्नशिप डॉक्टरों के एक प्रतिनिधिमंडल ने शहर विधायक एवं वरिष्ठ भाजपा नेता अमर अग्रवाल से मुलाकात कर अपने मासिक स्टाइपेंड में उचित बढ़ोतरी की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। इंटर्न डॉक्टरों ने विधायक अमर अग्रवाल के समक्ष अपनी समस्याओं और मांगों को विस्तार से रखा। उन्होंने कहा कि श्री अग्रवाल प्रदेश के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री रहे हैं तथा प्रदेश स्तर पर उनकी बातों को गंभीरता से सुना जाता है। इसी विश्वास के साथ उन्होंने अपनी मांगों को उनके समक्ष रखा है। विधायक अमर अग्रवाल ने इंटर्न डॉक्टरों की मांगों पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए उन्हें हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है, जो समाज के प्रत्येक वर्ग की समस्याओं और आवश्यकताओं को प्राथमिकता के साथ सुनकर उनके समाधान की दिशा में कार्य कर रही है। श्री अग्रवाल ने कहा कि वे इंटर्न डॉक्टरों की स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को स्वास्थ्य मंत्री, वित्त मंत्री सहित शासन के उचित स्तर पर प्रमुखता से रखेंगे तथा इस विषय के समाधान के लिए आवश्यक प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार डॉक्टरों और अन्य प्रोफेशनल्स के हितों के प्रति संवेदनशील है। युवाओं को बेहतर अवसर प्रदान करने, उनके कौशल विकास एवं करियर को गति देने के लिए सरकार द्वारा निरंतर योजनाएं और प्रयास किए जा रहे हैं। इस दौरान इंटर्न डॉक्टरों ने विधायक अमर अग्रवाल का उनकी मांगों को गंभीरता से सुनने और शासन स्तर पर उचित पहल करने के आश्वासन के लिए आभार व्यक्त किया।

पुलिस परेड ग्राउंड में कलेक्टर-एसएसपी ने स्कूली बच्चों को दिलाई तिरंगा शपथ

■ हजारों स्कूली बच्चों ने लिया राष्ट्रध्वज के सम्मान का संकल्प

बिलासपुर। हर घर तिरंगा अभियान के तहत आज पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल और एसएसपी श्री रजनेश सिंह ने उपस्थित जनसमुदाय को तिरंगा शपथ दिलाई। इस अवसर पर नगर निगम कमिश्नर श्री प्रकाश कुमार सर्वे, सीईओ जिला पंचायत श्री संदीप अग्रवाल, एडीएम श्री शिवकुमार बनर्जी, अन्य अधिकारी-कर्मचारी, हजारों की संख्या में स्कूली बच्चे एवं अन्य नागरिक मौजूद रहे। तिरंगा शपथ के दौरान स्कूली बच्चों सहित सभी उपस्थित लोगों ने राष्ट्रध्वज की गरिमा एवं सम्मान बनाए रखने, देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने तथा राष्ट्रहित के प्रति सदैव समर्पित रहने का संकल्प लिया। बड़ी संख्या में बच्चों द्वारा एक साथ तिरंगा शपथ लेने से पुलिस परेड ग्राउंड देशभक्ति के भाव से ओत-प्रोत नजर आया। कार्यक्रम में अधिकारियों ने हर घर तिरंगा अभियान के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने और प्रत्येक नागरिक को राष्ट्रध्वज के सम्मान के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया। तिरंगा शपथ के माध्यम से बच्चों एवं युवाओं म देशप्रेम, राष्ट्रीय एकता और जिम्मेदार नागरिक होने की भावना को और मजबूत करने का आह्वान किया गया। पुलिस परेड ग्राउंड में हजारों स्कूली बच्चों और अन्य प्रतिभागियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने पूरे वातावरण को राष्ट्रभक्ति के रंग में रंग दिया।

रेलवे सुरक्षा बल क्राइम ब्रांच की कार्रवाई :1.242 किलोग्राम विदेशी सोना जब्त,दो व्यक्ति गिरफ्तार

■ बरामद विदेशी सोने की अनुमानित कीमत लगभग 1.96 करोड़ रुपये

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रेलवे सुरक्षा बल की क्राइम ब्रांच रायपुर एवं नागपुर की टीम ने राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई), नागपुर की टीम के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए गाड़ी संख्या 12262 हावड़ा-मुंबई दुरंतो एक्सप्रेस में विदेशी सोने की तस्करी के मामले का पर्दाफाश किया है। संयुक्त टीम ने कार्रवाई के दौरान दो व्यक्तियों को लगभग 1.242 किलोग्राम विदेशी सोने, जिसमें 7 सोने के बिस्किट एवं 1 सोने की छड़ शामिल है, के साथ पकड़ा। बरामद सोने की अनुमानित कीमत लगभग 1.96 करोड़ रुपये है। रेलवे सुरक्षा बल क्राइम ब्रांच नागपुर के निरीक्षक को विश्वसनीय सूत्र से सूचना प्राप्त हुई थी कि उक्त ट्रेन में दो व्यक्ति विदेशी सोना लेकर यात्रा कर रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए रेलवे सुरक्षा बल क्राइम ब्रांच नागपुर द्वारा तत्काल रेलवे सुरक्षा बल क्राइम ब्रांच रायपुर को सूचित किया गया तथा डीआरआई, नागपुर की टीम के साथ संयुक्त रूप से कार्रवाई की योजना बनाई गई। सूचना के आधार पर संयुक्त टीम द्वारा रायपुर से नागपुर तक ट्रेन में सघन जांच एवं निगरानी अभियान चलाया गया। जांच के दौरान भंडारा एवं नागपुर के बीच कक्ष-12 कोच में दो संदिग्ध व्यक्तियों को चिन्हित कर उनकी तलाशी ली गई, जिसमें उनके कब्जे से लगभग 1.242 किलोग्राम विदेशी सोना बरामद हुआ। बरामद सोने में 7 बिस्किट एवं 1 सोने की छड़ शामिल थी, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 1.96 करोड़ रुपये आंकी गई है। आवश्यक कार्रवाई के उपरांत दोनों व्यक्तियों को बरामद सोने सहित डीआरआई, नागपुर को सुपुर्द कर दिया गया। दोनों आरोपियों के विरुद्ध Customs Act, 1962 की धारा 135 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। मामले की विस्तृत जांच डीआरआई, नागपुर, महाराष्ट्र द्वारा की जा रही है। इस कार्रवाई में रेलवे सुरक्षा बल क्राइम ब्रांच नागपुर एवं रायपुर की टीम की सतर्कता, त्वरित सूचना-साझाकरण एवं प्रभावी समन्वय की महत्वपूर्ण भूमिका रही। रेलवे सुरक्षा बल द्वारा रेल परिसरों एवं ट्रेनों के माध्यम से अवैध एवं प्रतिबंधित वस्तुओं की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए लगातार सतर्कता एवं जांच अभियान चलाए जा रहे हैं।

दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-01, बिलासपुर का सीबीएसई क्लस्टर एवं ज़ोनल प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन किया

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-01, बिलासपुर के विद्यार्थियों ने CBSE, क्लस्टर एवं ज़ोनल के विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय एवं बिलासपुर का नाम गौरवान्वित किया है। विद्यार्थियों ने योग, एथलेटिक्स, ताइक्वांडो, बॉक्सिंग, स्केटिंग एवं तैराकी जैसे विभिन्न खेलों में शानदार प्रदर्शन कर अनेक पदक अपने नाम किए। योग में शानदार प्रदर्शन - कोलकाता में आयोजित CBSE ज़ोनल योग ट्रेडिशनल ग्रुप प्रतियोगिता में विद्यालय की छात्राओं अर्पिता दत्ता, दीक्षा रमन, हंसिका प्रमाणिक, ग्रीसी कैवर्त एवं दीपा यादव ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त किये । वहीं रिदमिक पेयर योग में दीक्षा रमन एवं ग्रीसी कैवर्त ने रजत पदक हासिल किया एथलेटिक्स में स्वर्ण तथा बॉक्सिंग में तीन और एक कांस्य पदक - KIIT इंटरनेशनल स्कूल, भुवनेश्वर (ओडिशा) में आयोजित CBSE क्लस्टर एथलेटिक्स प्रतियोगिता में विद्यालय के श्रेयांश कुमार राय ने 800 मीटर एवं 1500 मीटर रनिंग इवेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त किया। बॉक्सिंग प्रतियोगिता में जयश राव, बी. एरिक एवं कथित सिंह ने स्वर्ण पदक प्राप्त किए, जबकि अनंत हापसे ने कांस्य पदक हासिल किया। ताइक्वांडो में कांस्य पदक - DPS स्कूल पुरुलिया (पश्चिम बंगाल) में आयोजित CBSE क्लस्टर ताइक्वांडो प्रतियोगिता में विद्यालय के छात्र शांतनु कश्यप ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। स्केटिंग में भी सफलता- KPS स्कूल सरोना, रायपुर में आयोजित CBSE क्लस्टर स्केटिंग प्रतियोगिता में बी. रुद्राक्ष नायडू ने कांस्य पदक, जबकि नमामि बताव ने रजत पदक प्राप्त किया। तैराकी में पदकों की झड़ी - DPS स्कूल भिलाई, दुर्ग में आयोजित CBSE क्लस्टर स्विमिंग प्रतियोगिता में विद्यालय के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया। शिवांगिनी पांडे ने विभिन्न स्पर्धाओं में कुल 5 स्वर्ण पदक प्राप्त किए। उन्होंने 50 मीटर फ्रीस्टाइल, 200 मीटर व्यक्तिगत मेडले, 50 मीटर बटरफ्लाई, 200 मीटर मेडले फ्रीस्टाइल एवं 100 मीटर मेडले फ्रीस्टाइल में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वहीं सत्यम पांडे ने तैराकी में 3 स्वर्ण, 1 रजत एवं 1 कांस्य पदक प्राप्त किए। उन्होंने 800 मीटर फ्रीस्टाइल, 400 मीटर व्यक्तिगत मेडले, 200 मीटर फ्रीस्टाइल, 400 मीटर फ्रीस्टाइल एवं 200 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन किया। विद्यालय परिवार ने दी बधाई - विद्यालय के विद्यार्थियों की इस शानदार उपलब्धि पर वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी सह विद्यालय नियंत्रण अधिकारी डॉ. अंशुमान मिश्रा, मंडल कार्मिक अधिकारी, सहायक मंडल कार्मिक अधिकारी, प्राचार्य, उप-प्राचार्य सहित पूरे स्कूल परिवार द्वारा सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गई ।

बारिश में हो रही है खुजली और इंफेक्शन की समस्या तो इन आदतों को जल्द सुधारें

बारिश के मौसम में स्किन इन्फेक्शन का खतरा काफी बढ़ जाता है। साथ ही बारिश में भीगने के बाद कई लोगों को त्वचा संबंधी समस्याएं होने लगती हैं। ह्यूमिडिटी के कारण ऑयली स्किन से लेकर स्किन रैशेज तक कई समस्या होती है। कई लोगों को त्वचा में जलन और खुजली की भी परेशानी होती है। इन समस्या को नज़रंदाज़ करने पर समस्या काफी बढ़ सकती है। बारिश में बैक्टीरिया बढ़ने के कारण स्किन इन्फेक्शन काफी तेज़ी से फैलता है। अगर आप भी इस मौसम में खुजिल, जलन या स्किन इन्फेक्शन की समस्या से परेशान है तो आपको इन टिप्स को ज़रूर फॉलो करना चाहिए...

बॉडी को अच्छे से सुखाएं

बारिश में उमस काफी रहती है जिसके कारण नहाने या बारिश में भीगने के बाद हमारी बॉडी काफी लंबे समय तक गीली रहती है। स्किन इन्फेक्शन से बचने के लिए अपनी त्वचा को अच्छे से सुखाएं। स्किन में नमी के कारण बैक्टीरिया ज्यादा समय तक रहते हैं जिससे इन्फेक्शन का खतरा बढ़ता है। बारिश में भीगने के बाद आप अपनी त्वचा को अच्छे से सुखा लें।

भीगने के बाद हाथ-पैर धो लें

बारिश के पानी में कई तरह के बैक्टीरिया मौजूद होते हैं। साथ ही वातावरण के कारण भी इन्फेक्शन का खतरा काफी होता है। अगर आप बारिश में भीग गए हैं तो घर आकर नहाएं या हाथ-पैर धो लें। आप साबुन या डिटॉल के पानी से भी नहा सकते हैं। ऐसा करने से स्किन इन्फेक्शन का खतरा काफी कम हो जाएगा।

हलके सूती कपड़े पहनें

सर्दी और गर्मी के मौसम में हमे फैब्रिक की समझ रहती है लेकिन बारिश में हम किसी भी प्रकार के कपड़े पहनते हैं। बारिश में पॉलिएस्टर के कपड़ों के कारण स्किन इन्फेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। बारिश में हलके सूती कपड़े पहनने की कोशिश करें। साथ ही इस मौसम में ज्यादा टाइट कपड़े न पहनें।

सूखे अंडरगारमेंट्स पहने

बारिश में अंडरगारमेंट्स आसानी से सूखते नहीं है। साथ ही अंडरगारमेंट्स सूखने के बाद भी इनमें नमी रह जाती है. ऐसे में कई लोग गीले या नमी वाले अंडरगारमेंट्स पहन लेते हैं। गीलापन के कारण त्वचा में इन्फेक्शन, रैशेज और बैक्टीरिया का खतरा बढ़ जाता है। अंडरगारमेंट्स अगर गीले हैं तो आप हेयर ड्रायर या आयरन की मदद से सुखा सकते हैं।

टॉवल साफ़ रखें

स्किन इन्फेक्शन से बचने के लिए सबसे ज़रूरी टॉवल साफ़ करना है। टॉवल बारिश में आसानी से सूखती नहीं है जिसके कारण उसमें फंगस लगने की संभावना ज्यादा रहती है। इसलिए नियमित रूप से अपनी टॉवल को साफ़ करते रहें। गीली टॉवल के इस्तेमाल से बचें। धूप में टॉवल सुखाने की कोशिश करें।

एक इलायची रोज खा ली तो होंगे 3 फायदे

इलायची भारतीय रसोई मे उपयोग में आने वाला एक महत्वपूर्ण मसाला है। यदि आपको सेहत के फायदे चाहिए तो आप इलायची का इस्तेमाल आपके भोजन का स्वाद बढ़ाने के साथ ही रोज खाने में भी करें, यानी कि 1 इलायची आप प्रतिदिन खाएं, आपको इलायची खाने बेहतरीन फायदे भी मिलेंगे।

- यदि आप एक इलायची का सेवन करते हैं तो आपके गले की खराश, गले की सूजन और बैठी हुई आवाज में लाभ होगा। इसके लिए आपको सुबह उठने के बाद एक छोटी इलायची चबा-चबाकर खाकर गुनगुना पानी पीना चाहिए।
- यदि आपके मुंह से दुर्गंध आती है तो इलायची चबाना एक अच्छा उपाय है। क्योंकि इलायची से जहां मुंह की बदबू दूर होगी। वहीं इसके अन्य कई फायदे भी आपको मिलेंगे।
- यदि आपको बार-बार मुंह में छाले होते हैं तो आप इलायची के पाउडर मे पिसी मिश्री मिलाकर खाएं, लाभ होगा। इसके अलावा आपका जी मचलाना, खांसी, बदहजमी आदि में इसका फायदा होगा।

कंजक्टिवाइटिस आई फ्लू फैल रहा है तेजी से, जानें बचने के उपाय

कंजक्टिवाइटिस आंखों की एक बीमारी है, जिसे आंख आना या आंखों का गुलाबी होना कहा जाता है। इस रोग में आंखें सुर्ख लाल होकर सूज जाती है। उसमें पानी आने लगता है और खुजली होने लगती है। यह बीमारी एक वायरल रोग है, जो इंफेक्शन के कारण एक-दूसरे में आ जाती है। अतः जो भी व्यक्ति बार-बार आंख को रगड़ते हैं, उन्हें बैक्टीरियल इंफेक्शन हो जाता है और उसमें से पस जैसा डिस्चार्ज आने लगता है। साथ ही आंख आने वाले व्यक्ति की आंख में देखने से भी कंजक्टिवाइटिस फैलता है। इस संक्रमण में आंखों में दर्द, जलन और आंखों में कुछ रेत की तरह चुभने का अहसास भी होता है।

कंजक्टिवाइटिस से बचने के उपाय

- कंजक्टिवाइटिस के दौरान साफ-सफाई का ध्यान रखें।
- आंखें आने पर बाहर धूप में निकलने पर आंखें दुखने लगती हैं अतः सनग्लासेज पहन कर ही घर से बाहर निकलें।
- दिनभर में कई बार साफ पानी से आंखों को धोएं।
- आई ड्रॉप्स को आंखों में डालने के पहले और दवाई डालने के बाद भी अपने हाथ धोएं।
- जिस व्यक्ति कंजक्टिवाइटिस का इंफेक्शन है, उससे दूरी बनाए रखें।
- यदि घर में किसी को आंखों का इंफेक्शन है, तो उसका तकिया, तौलिया आदि कोई भी चीजें किसी दूसरे के साथ शेयर न करें।
- यदि नेत्र रोग विशेषज्ञ आपको एंटिबायोटिक ड्रॉप या मलहम लगाने की सलाह देते हैं तो इस बात का ध्यान रखें कि दवा का नोजल आंखों तथा पलकों पर टच न हो, इससे भी दूसरी आंख में कंजक्टिवाइटिस इंफेक्शन फैलाने का खतरा बढ़ जाता है।
- कंजक्टिवाइटिस का संक्रमण हाथों के जरिए भी फैल सकता है। अतः घर के सदस्यों तथा स्कूली बच्चों को एक-दूसरे के नजदीक न आने दें।
- कंजक्टिवाइटिस रोग से ग्रसित व्यक्ति से हाथ न मिलाएं।
- अगर घर में किसी एक बच्चे को इंफेक्शन है तो घर या स्कूल के दूसरे बच्चों के उसके संपर्क में आने पर उन्हें भी यह हो जाता है।

बारिश में बच्चों को डायरिया से कैसे बचाएं?

बारिश का मौसम बहुत सुहाना होता है लेकिन ये सुहानी बारिश कई खतरनाक बीमारियों को भी लेकर आती है। बारिश में सर्दी, बुखार और जुखाम की समस्या आम होती है। लेकिन इसके साथ ही डायरिया का खतरा भी बारिश के मौसम में बढ़ जाता है। बारिश के पानी में जेर्म्स व बैक्टीरिया होने के कारण पेट की समस्या होने लगती है। कई बार बारिश के मौसम में बहार का न खाने पर भी पेट की समस्या हो जाती है। इस मौसम में इम्युनिटी कमजोर हो जाती है। ऐसे में बच्चों को भी बारिश के मौसम में सतर्क रहने की ज़रूरत है।

ऐसे बचाएं बच्चों को डायरिया से

- बच्चों को डायरिया से बचाने के लिए उन्हें घर में प्रवेश करते समय हाथ धोने को कहें।
- खाने से पहले भी उन्हें हाथ धोने या sanitize करने की लिए कहें।
- बच्चों को स्ट्रीट फूड का सेवन न करने दें। बारिश में स्ट्रीट फूड से डायरिया का खतरा बढ़ता है।
- बच्चों को जमे और गंदे पानी से न खेलने दें। इससे जेम्स का खतरा अधिक होता है।
- हमेशा बच्चों को RO या उबला हुआ पानी ही पिलाएं।
- डायरिया से बचने के लिए घर में सफाई रखें और मक्खी व कॉकरोच जैसे कीड़ों को न आने दें।

डायरिया से बचने के लिए इन चीज़ों का सेवन करें

- दही, छाछ, लस्सी पीने से दस्त की समस्या से राहत मिलती है। दही में गुड बैक्टीरिया होते हैं जो आंतों के लिए जरूरी हैं जिससे पेट में ऐंठन, मरोड़ दूर हो जाती है।
- डायरिया से बचने के लिए आप जीरे के पानी का सेवन करें। आप 1 से आधा चम्मच जीरा या जीरा पाउडर लें। इसके बाद इसे अच्छे से पानी में उबाल लें। इसको छान कर ठंडा होने बाद पी लें।
- केला, उबला आलू, अनार, अंगूर, संतरा आदि फल-सब्जी का सेवन करें। सादा खाना खाएं जैसे दलिया, खिचड़ी आदि खा सकते हैं।
- आप बच्चों को नारियल व नीबू पानी भी पिलाएं। नीबू पानी में विटामिन c होता हा जिससे बच्चों की इम्युनिटी बेहतर होगी।

अगर आपके बच्चे को डायरिया हो या उसके लक्षण दिखें तो तुरंत डॉक्टर से इलाज करवाएं। डॉक्टर की सलाह के बिना कोई भी दवाई न लें।

डायरिया के लक्षण

- पतला मल आना
- उल्टी होना
- शरीर में पानी की कमी होना
- पेट में सूजन व ऐंठन होना
- बार-बार बुखार आना
- मल के साथ खून आना
- भूख न लगना
- पेट में ऐंठन होना

विटामिन बी 12 कम होने से क्या होता है?

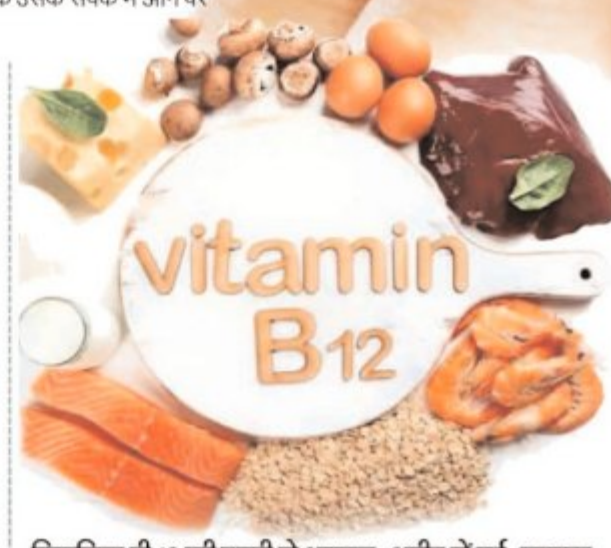

विटामिन बी 12 की कमी से थकान, शरीर में दर्द, चक्कर आना, कमजोरी महसूस होती है। जी हां, यह सच है कि कभी-कभी नींद पूरी होने के बाद भी सुबह उठने पर यदि आपको थकान महसूस होती है और शारीरिक रूप से थका होने के कारण किसी भी कार्य में मन नहीं लगता है। ऐसा महसूस होता होता है कि जैसे चक्कर आ रहे हैं, बॉडी पेन, कमजोरी महसूस हो रही और किसी भी कार्य पर पूर्णरूप से ध्यान नहीं दे पा रहे हैं तो इस बीमारी की जड़ विटामिन बी 12 हो सकती है। जानते हैं विटामिन बी 12 कम होने पर क्या लक्षण नजर आते हैं।

- पूरे शरीर में दर्द महसूस होना
- दिनभर थकान लगना
- सिर दर्द होना
- वजन तेजी से गिरना
- भूख नही लगना
- बेहोशी जैसा लगना, बेहोशी महसूस होना, सिर घूमना
- दिल की धड़कन तेज होना
- किसी भी कार्य में मन न लगना
- कुछ भी काम करने का मन न करना
- एनीमिया से पीड़ित होना।

आदि लक्षण विटामिन बी 12 की कमी से हो सकते हैं। यदि आप भी कुछ ऐसा ही महसूस करते हैं तो इसके लिए आपको अपने दिनचर्या में डेयरी प्रोडक्ट, पनीर, अंडा, चुकंदर, दही, ब्रोकली, ओट्स, मछली, मिट, चिकन आदि को अपने खान-पान में शामिल करना चाहिए।

पपीता खाने के हैरान करने वाले फायदे

पपीता एक ऐसा फल है, जिसे कच्चा और पका हुआ दोनों ही तरह से खाया जाता है। पपीता एक पौष्टिक और रसीला फल हैं, जिससे हमें कई विटामिन प्राप्त होते हैं। इसके नियमित उपयोग से शरीर में कभी विटामिन्स की कमी नहीं होती। वैसे तो पपीता अधिकतर लोगों को पसंद होता है और वे इसे खाना भी पसंद करते हैं।

लेकिन आपको बता दें कि डायबिटीज के रोगियों को प्रतिदिन पपीता खाने से बचना चाहिए या फिर डॉक्टर की सलाह के बाद ही इसे खाना उचित रहता है।

पपीता पेप्सिन प्राप्त करने का एकमात्र साधन है। इसमें पेप्सिन नामक तत्व पाया जाता है, जो बहुत ही पाचक होता है। यह खासकर उन स्थितियों में भोजन को पचाने में मदद करता है, जब आपका पाचन तंत्र भोजन को पचाने के लिए पर्याप्त मात्रा में एंजाइम का निर्माण नहीं करता है। अतः यह हमारे शरीर के लिए अतिलाभदायी होता है। यदि आप भी नियमित रूप से एक माह तक पपीते का सेवन करते हैं तो इसके आपको हैरान करने वाले फायदे मिलते हैं।

- पपीता खाने से त्वचा व नेत्र स्वस्थ रहते हैं।
- पपीता कब्ज और कफ के रोग में लाभदायी है।
- पपीता पेट एवं आंत संबंधी रोगों में बहुत लाभदायक है, क्योंकि पपीते का रस प्रोटीन को आसानी से पचाने मददगार माना गया है।
- बच्चों की वृद्धि और रोगों से बचाने के लिए उन्हें विटामिन ए की अधिक आवश्यकता रहती है, जो कि उन्हें पपीता से मिलती है।
- पपीता हृदय रोग, नाड़ियों तथा पेशियों की क्रिया ठीक रखने में सहायता करता है।
- पपीते का सेवन वात शमन करके अपावायु को शरीर से बाहर करता है।
- विटामिन ए पपीते में अधिक मात्रा में पाया जाता हैं, जो कि हमारी त्वचा एवं आंखों के लिए बहुत आवश्यक होता है। अतः यह त्वचा को स्वच्छ, स्वस्थ और इसकी ग्लोइंग बनाए रखने में लाभकारी है।
- पपीते में कैल्शियम अच्छी मात्रा में होने के कारण यह रक्त और तंतुओं के निर्माण सहायक है।
- पपीता गरिष्ठ पदार्थों या भोजन को आसानी से पचाता है।
- पपीता से हमें पाचक तत्व का एकमात्र प्राकृतिक स्रोत पेप्सिन तथा विटामिन ए, बी, सी, डी के अलावा आयरन, फॉस्फोरस, एंटीऑक्सीडेंट्स, पोटेशियम, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, कैल्शियम और कैरोटीन भी अच्छी मात्रा में मिलता है। अतः बार-बार सर्दी और खांसी से ग्रस्त व्यक्तियों के लिए पपीते का नियमित सेवन काफी लाभकारी होता है, क्योंकि इससे आपका इम्यून सिस्टम भी मजबूत होता है।

हरेली तिहार पर नगर निगम ने दिया हरियाली और छत्तीसगढ़ी संस्कृति संरक्षण का संदेश

छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा-अर्चना के साथ हुआ हरेली तिहार का शुभारंभ, गोधन एवं कृषि औजारों की पूजा

दुर्ग। सावन अमावस्या के अवसर पर छत्तीसगढ़ के प्रमुख लोकपर्व एवं छत्तीसगढ़ का पहला त्योहार माने जाने वाले हरेली तिहार का नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा धूमधाम और पारंपरिक उल्लास के साथ आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ी संस्कृति, खेती-किसानी और प्रकृति से जुड़े इस पर्व के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण एवं शहर में हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कृषि उपज मंडी परिसर, धमधा रोड में सुबह 10 बजे कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महापौर अलका बाघमार ने सभापति श्याम शर्मा, प्रभारी आयुक्त मोहेंद्र साहू एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में छत्तीसगढ़ महतारी के तैलचित्र पर पूजा-अर्चना कर किया। इस अवसर पर अच्छी फसल एवं सुख-समृद्धि की कामना करते हुए गोधन तथा कृषि कार्यों में उपयोग किए जाने वाले पारंपरिक औजारों की विधिवत पूजा की गई। हरेली पर्व की परंपराओं को जीवंत करते हुए जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने गेड़ी चलाकर पर्व की रौनक बढ़ाई।

एक पेड़ मां के नाम के संदेश के साथ 150 से अधिक पौधों का रोपण, पारंपरिक खेलों ने बढ़ाया उत्साह

हरेली तिहार के अवसर पर कृषि मंडी परिसर में महापौर अलका बाघमार ने सभापति श्याम शर्मा, एमआईसी सदस्य देव नारायण चन्द्राकर, काशीराम कोसरे, नरेंद्र बंजारे, लीना दिनेश देवांगन, शेखर चन्द्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, शिव नायक, हर्षिका संभव जैन एवं पार्षद युवराज कुंजम सहित जनप्रतिनिधियों के साथ एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत 150 से अधिक पौधों का रोपण किया।पौधारोपण के माध्यम से शहरवासियों को पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और हरियाली के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में पटरीपार क्षेत्र की महिलाओं ने फुगड़ी सहित विभिन्न पारंपरिक खेलों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। हरेली पर्व के पारंपरिक रंग को बनाए रखते हुए उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने गेड़ी चलाकर लोगों का उत्साहवर्धन किया। पर्यावरण प्रेमी एवं स्वच्छ सर्वेक्षण ब्रांड एंबेसडर डॉ. विश्वनाथ पाणिग्राही द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान एक पेड़ मां के नाम को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से तैयार किए गए पोस्टर के माध्यम से भी पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। उपस्थित अतिथियों ने पोस्टर के साथ लोगों को अधिक से अधिक पौधरोपण एवं पौधों के संरक्षण का संकल्प दिलाया।

महापौर बोलीं, हरेली हमारी खेती, संस्कृति और प्रकृति से जुड़ी परंपरा; सभापति ने बताया पर्व का महत्व

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि हरेली तिहार छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति, खेती-किसानी और प्रकृति से गहराई से जुड़ा हुआ पर्व है। यह पर्व हरियाली, नई फसल की शुरुआत और किसानों की खुशहाली का संदेश लेकर आता है। ग्रामीण जनजीवन में रचा-बसा यह त्योहार किसानों के लिए विशेष महत्व रखता है। हरेली के दिन किसान अच्छी फसल की कामना के साथ ईष्ट देव, गोधन और खेती-किसानी में उपयोग होने वाले औजारों की पूजा करते हैं। हल, कुदाली, फावड़ा और ट्रैक्टर आदि को साफकर गेरू-चंदन से पूजा करने की परंपरा है। हरेली तिहार ने नीम की पत्तियों और गोबर से बनी हरेली गेड़ी बांधने तथा घरों के दरवाजों पर नीम की पत्ती या डाली लगाने की परंपरा भी इस पर्व की विशेष पहचान है, जिसे सुख-शांति और सकारात्मकता से जोड़कर देखा जाता है। सभापति श्याम शर्मा ने कहा कि हरेली तिहार छत्तीसगढ़ की लोक परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। ग्रामीण क्षेत्रों में बुजुर्ग बांस से बच्चों के लिए गेड़ी तैयार करते हैं। इस दिन शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में दौड़, कबड्डी, भंवरा, फुगड़ी सहित अनेक पारंपरिक खेल आयोजित किए जाते हैं। प्रभारी काशीराम कोसरे ने कहा कि किसानों की मान्यता है कि हरेली के दिन खेती के औजारों एवं गोधन की पूजा करने से वर्षभर अच्छी फसल और खुशहाली बनी रहती है। ऐसे आयोजन हमारी संस्कृति, परंपरा और पर्यावरण संरक्षण के संदेश को मजबूत करते हैं,उन्होंने नागरिको से अपील कर कहा कि माँ के नाम एक पेड़ अवश्य लगाए और शहर को हराभरा बनाए। कार्यक्रम के दौरान पार्षद विद्यावती सिंह,सजान जोसफ गुलशन साहू, मनीष कोठारी, रंजीता पाटिल, सुरूचि उमरे, सरिता चन्द्राकर, ललिता ठाकुर, सावित्री दमाहे, लोकेश्वरी ठाकुर, खिलावन मटियारा, एल्डरमेन तुलसी यादव, अनूप सोनी, तेखन सिन्हा, मदन बढ़ाई, भाजपा जिला प्रवक्ता अरुण सिंह, मनमोहन शर्मा, कार्यपालन अभियंता मोहम्मद सलीम सिद्दिकी, सहायक अभियंता गिरीश दीवान, हरिशंकर ठाकुर, दुर्गेश गुप्ता, के.एस. केवलानी, पंकज साहू, विनोद मांझी, सिद्धार्थ साहू एवं उद्यान प्रभारी अनिल सिंह सहित निगम के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

जय स्तंभ चौक में 101 फीट का तिरंगा 15 अगस्त से पहले लगाया जाएः संतोष पिल्ले

पूर्व में यहां लगाया गया था झंडा, उसे उतार दिया गया, अब दोबारा लगाने उठी मांग

राजनांदगांव। स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त के राष्ट्रीय पर्व में अब महज दो दिन ही शेष रह गया है। लेकिन शहर के जय स्तंभ चौक स्थित 101 फीट ऊंचे विशाल तिरंगे को अब तक नहीं लगाए जाने को लेकर नगर निगम प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। नगर निगम नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले ने इस मामले को लेकर निगम प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए जल्द से जल्द जय स्तंभ चौक में तिरंगा लगाने की मांग की है। पिल्ले ने कहा कि जय स्तंभ चौक पर लगाया जाने वाला 101 फीट ऊंचा तिरंगा शहर की शान और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। स्वतंत्रता दिवस जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पर्व से पहले यहां तिरंगा लहराना शहरवासियों के लिए गर्व का विषय होता है लेकिन पर्व नजदीक आने के बावजूद अब तक तिरंगा नहीं लगाया गया है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में कुछ दिन पूर्व नगर निगम आयुक्त जीआर मरकाम से चर्चा कर तिरंगा लगाए जाने की बात कही गई थी। इसके बावजूद अभी तक जय स्तंभ चौक पर तिरंगा नहीं लगाया गया है। पिल्ले ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं, ऐसे में निगम प्रशासन को इस महत्वपूर्ण विषय पर तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। पिल्ले ने नगर निगम प्रशासन और महापौर मधुसूदन यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि शहर के गौरव और राष्ट्रीय पर्व से जुड़े विषय को लेकर भी यदि समय पर ध्यान नहीं दिया जाता है तो यह गंभीर लापरवाही है। उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत हो रहा है कि निगम प्रशासन और महापौर इस महत्वपूर्ण विषय को लेकर गंभीर नहीं हैं।

देश भर से भिलाई विद्यालय सेक्टर 2 के पूर्व विद्यार्थी (1961 से 1977 तक हायर सेकेन्ड्री उत्तीर्ण) 06 सितंबर रविवार को एलुमनी मिलन समारोह में जुटेंगे

भिलाई। अत्यंत हर्ष का अनुभव हो रहा कि यह मिलन समारोह हमसब के बचपन के स्कूल भिलाई विद्यालय सेक्टर 2 में ही आयोजित हो रहा है जो उपस्थित साथियों की 50-60 वर्ष पूर्व की यादें ताजा कर देगा। उपरोक्त जानकारी एलुमनी के अध्यक्ष श्री नरेश खोसला और महासचिव रामसमुझ कनोजिया ने संयुक्त रूप से दी है।

मिलन समारोह सुबह 10:30 बजे से नाश्ते से प्रारंभ होकर दोपहर भोजन और शाम चाय के साथ 5:30 बजे संपन्न होगा। इसी दरम्यान भिलाई विद्यालय का नाम रोशन करने वाले डॉक्टर श्री भागवत राय आंख नाक गला विशेषज्ञ, डॉक्टर श्री अरविंद प्रकाश सावंत बाल रोग विशेषज्ञ, डॉक्टर श्री शशि कुमार एवं डॉक्टर पुरुषोत्तम खापरे अपने अनुभवों से अपने साथीगण को स्वास्थ्य लाभ की जानकारी के साथ मेडिकल जांच भी करेंगे जो एक अनूठी मिशाल होगी।

इसके बावजूद इसी दरम्यान भिलाई विद्यालय सेक्टर 2 में आज जो बच्चे पढ़ रहे हैं उनका भी मेडिकल केम्प लगाकर उनकी भी जांच कर उन्हें स्वस्थ रहने की सलाह दी जावेगी। इसके साथ साथ महिला-पुरुष के गीत संगीत का कार्यक्रम भी होगा जिसका आनंद सभी साथीगण उठायेंगे।

मिलन समारोह को भव्य और यादगार बनाने में भिलाई विद्यालय सेक्टर 2 के पूर्व छात्र श्री प्रेम प्रकाश पाण्डेय (भूतपूर्व विधानसभाअध्यक्ष छ.ग शासन), संरक्षक श्री अजय गुप्ता दिल्ली, श्री नरेश ग्रोवर जबलपुर,श्री अविनाश पाण्डेय बिलासपुर, श्री दिवाकर मुक्तिबोध वरिष्ठ पत्रकार रायपुर,श्री गिरिश बंसल भिलाई, चेयरमैन श्री नेतराम अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजेंद्र नायडू,कोषध्यक्ष श्री इन्द्र दत्त मित्तल और सभी कार्यकारिणी सदस्यगण का विशेष सहयोग और मार्गदर्शन मिल रहा है। मिलन समारोह में कम से कम 100-150 साथीगण की भागीदारी रहेगी ।

चेंबर अध्यक्ष मुकेश बंसल ने की भारतीय स्टेट बैंक सक्ती शाखा की कैशियर की शिकायत

सक्ती। छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज शाखा शक्ति के अध्यक्ष मुकेश बंसल ने शाखा प्रबंधक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, एसएमई शाखा, सक्ती को 10 अगस्त 2026 को एक पत्र प्रेषित किया है पत्र में बंसल ने एसबीआई एसएमई शाखा, सक्ती की कैशियर ऐना मुर्मू के ग्राहकों के प्रति अभद्र व्यवहार के संबंध में शिकायत करते हुए तत्काल इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। चेंबर अध्यक्ष द्वारा प्रेषित पत्र में बताया गया है कि मैं स्वयं स्टेट बैंक ऑफइंडिया की एसएमई शाखा, सक्ती का ग्राहक हूँ। शाखा में कार्यरत कैशियर ऐना मुर्मू का ग्राहकों के प्रति व्यवहार लगातार असंतोषजनक है।वे ग्राहकों से ऊँची आवाज़ में और असम्मानजनक तरीके से बात करती हैं तथा बिना किसी उचित कारण के लंबे समय तक व्यापारियों को काउंटर के सामने खड़ा करके रखती हैं।

स्वीकृत कार्य तत्काल शुरू करने के निर्देश, चालू काम बंद करने वाले ठेकेदारों को थमाएंगे नोटिस, महापौर मधुसूदन यादव ने अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्यों की समीक्षा की

शहर विकास के प्रोजेक्ट में शामिल पुराने भवनों को डिस्मेंटल करने भी कहा गया

राजनांदगांव। नगर निगम लोक निर्माण विभाग के कामकाज को लेकर महापौर मधुसूदन यादव ने समीक्षा बैठक ली। उन्होंने निर्माण कार्यों की वार्डवार जानकारी ली। साथ ही स्वीकृत कार्य तत्काल प्रारंभ कराने योजना के कार्य को प्राथमिकता देकर समय-सीमा में चालू कराने एवं चालू कार्य में तेजी लाकर गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण करने तकनीकी अधिकारियों को निर्देशित किए। वहीं आयुक्त जीआर मरकाम ने काम शुरू नहीं करने वाले और काम चालू कर बंद करने वाले ठेकेदारों को नोटिस देने की बात कही। बैठक में महापौर श्री यादव ने बजट प्रावधानित कार्य, आयुर्वेदिक औषद्यालय एवं पुत्रीशाला आदि स्थानों में शॉपिंग काम्पलेक्स निर्माण के लिए सामान्य सभा में लिए गए निर्णय अनुसार डिस्मेंटल करने पेड काटने सहित अन्य कार्य के संबंध में जानकारी ली।उन्होंने स्टेशन रोड काम्पलेक्स निर्माण तथा बीएसएनएल आफिस के पास काम्पलेक्स निर्माण की प्रक्रिया की जानकारी लेकर निविदा एवं अन्य प्रक्रिया जल्द पूर्ण करने कहा। इसी प्रकार जी.ई.रोड तथा कस्तुरबा महिला मण्डल रोड शॉपिंग काम्पलेक्स जीर्णोद्धार कार्य के लिए सभी प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अतिशीघ्र व्यापारियों की बैठक लेकर राशि एवं निर्माण प्रक्रिया की जानकारी दी जावेगी। महापौर श्री यादव ने अधिकारियों से शहर में चल रहे निर्माण कार्यों की वार्डवार जानकारी लेकर अप्रारंभ कार्य शीघ्र प्रारंभ कराने तथा चल रहे निर्माण कार्य में तेजी लाकर कार्य समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश दिये। उन्होंने सांसद, विधायक निधि एवं महापौर व पार्षद निधि के स्वीकृत कार्य तत्काल प्रारंभ कराने कहा। अधोसंरचना मद एवं अधोसंरचना पर्यावरण मद अंतर्गत स्वीकृत कार्यों को शीघ्र प्रारंभ कराने कहा, जिस कार्य का कार्यादेश जारी नहीं हुआ है। उसका कार्यादेश तत्काल जारी कर कार्य प्रारंभ करावे। उन्होंने कहा कि भूमिपूजन हुए सभी कार्य ठेकेदारों से सम्पर्क कर स्थल दिखा काम चालू कराए। आयुक्त श्री मरकाम ने कहा कि सभी अभियंतागण अपने अपने प्रभारित वार्ड के कार्यों की सत्त मानिटरिंग करे तथा कार्य की प्रगति, उपयोगिता प्रमाण पत्र बनाकर शासन को भेजे। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जिन ठेकेदारो के द्वारा काम चालू नहीं किया जा रहा है या जिन्होंने चलित काम बंद कर दिया है, उन्हें नोटिस जारी करे। जिन कार्यों की विभागीय प्रक्रिया लंबित है उसे जल्द पूर्ण कर काम चालू करावे। सभी कार्यों की सत्त मानिटरिंग कर प्रगति से अवगत कराएं।

यूट्यूब में फालोवर्स बढ़ाने के नाम पर 40 हजार की ठगी, जागरूकता से होल्ड रकम मिली वापस

साइबर फ्रॉड के कई मामले आ रहे सामने, जानकारी और जागरूकता होना जरूरी

राजनांदगांव। युवाओं के सोशल मीडिया का उपयोग के कारण अब साइबर क्राइम और फ्रॉड के मामले काफी बढ़ रहे हैं। ऐसा ही एक मामला बसंतपुर थाना क्षेत्र में सामने आया, जहां युवक को अंजान लिंक मिला और उसे यूट्यूब पर फालोवर्स बढ़ाने का झांसा दिया। इसमें युवक से 40 हजार रुपए की ठगी हो गई। लेकिन उसकी जागरूकता के चलते तत्काल राशि होल्ड हो गई और उसे रुपए वापस मिल गई। साइबर टीम ने भी इसमें बेहतर काम किया, जिसमें यह सफलता हासिल हुई। मिली जानकारी के अनुसार बसंतपुर निवासी रतनाकर द्विवेदी 3 जनवरी 2026 को अंजान लिंक क्लिक करने पर यूट्यूब पर फोलोवर्स बढ़ाने के नाम पर दो हजार रूपये डलवाया और बाद में रिफण्ड हो जाएगा, कह कर झांसा दिया। इसी तरह उसके साथ कुल 42 हजार रुपए की सायबर ठगी की गई। जिसकी शिकायत उसने डायल 1930 के माध्यम से घर बैठे की थी। उक्त शिकायत पर सायबर पुलिस पोर्टल पर 41000 रुपए होल्ड हो गया। उस पर संबंधित बैंको द्वारा MRM पोर्टल पर रिस्टोरेशन मनी 41 हजार रूपये बताने पर सायबर थाना राजनांदगांव द्वारा उक्त होल्ड रिस्टोरेशन मनी को प्रार्थी को दिलवाने के लिए 7 अगस्त को रतनाकर द्विवेदी को सायबर थाना बुलवाया और उससे निर्धारित प्रोफार्मा में जानकारी प्रिंट कर 1 स्टाम्प पेपर पर एफीडेविड नोटरी करवा कर मंगवाया गया। रा 106 बीएनएसएस का नोटिस स्कम होल्ड हुए संबंधित बैंक को पोर्टल के माध्यम से भेजा। तत्पश्चात दिनांक 10 अगस्त को प्रार्थी का सायबर ठगी हुई रकम में से रिस्टोरेशन मनी 41 हजार रुपए वापस उसके बैंक खाते में वापस आ गई।

साइबर ठगी हुई तो यह प्रक्रिया अपनाएं

1. यदि किसी के साथ सायबर धोखाधड़ी हूई है, तो जल्द से जल्द सायबर हेल्प लाइन नंबर 1930 में शिकायत दर्ज कराएं। यदि नहीं हो रहा है तो निकटतम थाना में अथवा जिला के सायबर थाना में जाकर सायबर पुलिस पोर्टल पर सायबर ठगी की शिकायत ऑनलाईन दर्ज कराएं।
2. यदि आप सायबर धोखाधड़ी से संबंधित शिकायत दर्ज कराये है तो आपको एक शिकायत क्रमांक (Acknowledgement Number) आपके मोबाईल में एसएमएस के माध्यम से प्राप्त होगा।3. सायबर पुलिस पोर्टल द्वारा आपकी ठगी गई राशि को Layer To Layar डिटेक्ट कर होल्ड/लीन करेगा।

माइल स्टोन अकादमी की ओर से समूह चर्चा में विषय विशेषज्ञों ने रखे अपने विचार

जेन जी और अल्फा इस दौर की सर्वश्रेष्ठ पीढ़ी, हमें बदलनी होगी अपनी समझः जैन

भिलाई। माइलस्टोन एकेडमी में जेन-जी और जेन-अल्फा के दौर में पेरेंटिंग और टीचिंग विषय पर सामूहिक चर्चा (पैनल डिस्कशन) का आयोजन विगत दिनों किया गया। जिसमें शिक्षा और पैरेंटिंग से जुड़े विषय विशेषज्ञों ने नई-पुरानी पीढ़ियों को जोड़ने, उनकी आपसी समझ को बढ़ाने और नई पीढ़ी के भविष्य को आकार देने से जुड़े मुद्दों पर अपने-अपने विचार रखे। स्कूल की प्राचार्य डॉक्टर श्रीमती ममता शुक्ला ने स्वागत उद्बोधन में विषय प्रवर्तन किया तथा वर्तमान समय में नई और पुरानी पीढ़ी के बीच की चुनौतियों पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि नई और पुरानी पीढ़ी के बीच दूरियां कम रहे तो बेहतर है। हमें बहुत सख्त पैरेंटिंग से बचना होगा और अपने बच्चों को समय देना होगा। इस दौरान प्रख्यात पैरेंटिंग विशेषज्ञ चिरंजीव जैन ने नई और पुरानी पीढ़ी के बीच के अंतर पर बात करते हुए कहा कि आज हम जेन जी की बात करें या जेन अल्फा, हमारी नई पीढ़ी अपने दौर की सर्वश्रेष्ठ है। यह संभव है कि उनसे बड़े होने की वजह से माता-पिता या पालक के तौर पर हम अपने बच्चों को समझ नहीं पाते हैं। श्री जैन ने कहा कि उन्होंने कहा कि यह लगभग वैसी ही स्थिति है, जैसे पहले कोई एम्बेसेडर कार इस्तेमाल करता हो और उसे अब नई मर्सीडीज दे दी जाए और इस मर्सीडीज को भी वह एम्बेसेडर की तरह ही इस्तेमाल करना चाहे। इससे दोनों पीढ़ियों के बीच का फासला और बढ़ता जाता है।

जैन ने मौजूदा परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि बाजार में हर प्रोडक्ट के साथ 'यूजर्स मैन्युअल' होता है लेकिन इस समाज में जब इंसान जन्म लेता है तो उसके साथ कोई मैन्युअल नहीं होता है।

एक दौर में हमारे परिवार में दादा-दादी, नाना-नानी सहित तमाम बड़े एक 'यूजर्स मैन्युअल' की तरह पेश आते थे, जिससे नई पीढ़ी को मार्गदर्शन मिलता था। अब हालात बदल गए हैं और एकल परिवारों की बहुलता के चलते हमारे ये स्वाभाविक 'यूजर्स मैन्युअल' गुम होते जा रहे हैं। जैन ने कहा कि इस सच्चाई को स्वीकार करते हुए हमें नए सिरे से इस पर विचार करना चाहिए। बेहतर हो कि हम स्कूल में पैरेंट्स-टीचर्स मीटिंग करते हैं, ठीक वैसे ही हर तीन महीने में अपने बच्चों को लेकर स्कूल में बैठें और टीचर्स के साथ चर्चा कर उसकी परवरिश को और बेहतर ढंग से आगे बढ़ाने की बात करें। इस परिचर्चा में आभा शशि कुमार, सोनाली चक्रवर्ती, मृदु लखोटिया,अंजू त्रिपाठी, निमिषा सिंह और कुहू शुक्ला ने भी अपने विचार रखे।

तिरंगा हमारी आन, बान और शान का प्रतीक - मंत्री गजेन्द्र यादव

दुर्ग विधानसभा में निकाली गई तिरंगा यात्रा में उमड़ा राष्ट्रभक्ति का जनसैलाब

दुर्ग। दुर्ग विधानसभा के विभिन्न क्षेत्रों में आज आयोजित भव्य तिरंगा यात्रा में कैबिनेट मंत्री एवं दुर्ग शहर विधायक श्री गजेन्द्र यादव शामिल हुए। उन्होंने तिरंगा यात्रा में सहभागी बनकर राष्ट्रभक्ति के इस उत्सव का हिस्सा बने। तिरंगा यात्रा के दौरान हाथों में लहराता तिरंगा, हृदय में भारत माता के प्रति सम्मान और कदमों में राष्ट्रसेवा का संकल्प नजर आया। यात्रा में बड़ी संख्या में युवा एवं नागरिक उत्साहपूर्वक शामिल हुए। पूरे मार्ग में देशभक्ति का वातावरण बना रहा और भारत माता के जयकारों से माहौल गुंजायमान रहा।तिरंगा यात्रा में युवाओं ने विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा जैसे राष्ट्रभक्ति के जयकारों के साथ तिरंगे के प्रति अपना सम्मान और देश के प्रति समर्पण व्यक्त किये। तिरंगा यात्रा ने देश की एकता, अखंडता और गौरव का जीवंत संदेश दिया। कैबिनेट मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि तिरंगा केवल हमारा राष्ट्रीय ध्वज नहीं, बल्कि भारत की गौरवशाली विरासत, बलिदान, एकता और राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक है। देश की स्वतंत्रता और अखंडता के लिए असंख्य वीरों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया है। आज हमारा दायित्व है कि हम उनके बलिदान को स्मरण करते हुए राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं।

मंत्री श्री यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश निरंतर विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहा है। हमें तिरंगे की आन-बान-शान को सर्वोच्च रखते हुए राष्ट्र की एकता, अखंडता और संप्रभुता को और मजबूत बनाने का संकल्प लेना चाहिए।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com